राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 18 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-352 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेहतरीन और भविष्योन्मुख है भारतीय ऑटो उद्योग: मोदी

पीएम मोदी ने किया भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को बेहतरीन और भविष्योन्मुख बताते हुए शुक्रवार को कहा कि कई कारक हैं, जो ऑटो क्षेत्र को गति देने का काम कर रहे हैं।

श्री मोदी ने यहां भारतमंडपम में 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' का शुभारंभ करते हुए कहा कि हम एक ऐसी गतिशीलता प्रणाली पर काम कर रहे हैं, जो अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी का समर्थन कर सके। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर के विकास के लिए आवश्यकता और आकांक्षा दोनों की आवश्यकता होती है। भारत में दोनों ही जीवंत हैं। आने वाले कई दशकों तक भारत दुनिया का सबसे युवा देश बनने जा रहा है। यही युवा आपके ग्राहक हैं, क्योंकि वे बहुत बड़ी मांग पैदा करते हैं। आपका दूसरा ग्राहक मध्यम वर्ग है। एक ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो जीवाश्म ईंधन के आयात पर हमारे बिल को कम कर सकती है इसलिए, आज भारत हरित प्रौद्योगिकी, ईवी, हाइड्रोजन ईंधन और जैव ईंधन के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा, मोबिलिटी सेक्टर के भी अभूतपूर्व ट्रांसफॉर्मेशन की, कई गुना विस्तार की यात्रा होने वाली है। गतिशीलता को बढ़ावा देने वाले कई कारक हैं, जैसे युवाओं की आबादी। मध्यम वर्ग में लगातार वृद्धि। शहरीकरण में वृद्धि। आधुनिक बुनियादी ढाँचा। मेक इन इंडिया के ज़रिए किफायती वाहन। उन्होंने कहा कि ऑटो उद्योग के विकास में मेक इन इंडिया पहल ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मेक इन इंडिया पहल को पीएलआई योजना से बढ़ावा मिला है। इस योजना ने 2.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री में मदद की है। इस योजना ने ऑटो सेक्टर में 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यात्रा को आसान बनाना भारत की बड़ी प्राथमिकता है। पिछले बजट में अवसंरचना के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया था। आज हम मल्टी लेन और हाईवे का जाल बिछा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोबिलिटी से जुड़े 7सी के तहत हमारे मोबिलिटी सॉल्यूशन ऐसे हों, जो कमान,कनेक्टेड, कन्वेनिएंट, कन्जेशन मुक्त, चार्ज्ड, क्लीन ओर कटिंग ऐज होनी चाहिए। ऐसी टेक्नोलॉजी के विकास पर हमारा काफी फोकस है। ऑटोमोटिव उद्योग इनोवेशन ड्राइवन और टेक्नोलॉजी ड्राइवन भी है। इनोवेशन हो, टेक हो और स्किल हो या फिर मांग हो। आने वाला समय पूर्व का है, एशिया का है, भारत का है।

उन्होंने कहा कि आज का भारत आकांक्षाओं से भरा हुआ है, युवा ऊर्जा से भरा हुआ है। यही आकांक्षाएं हमें भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में दिखाई देती है। बीते साल में भारत की ऑटो इंडस्ट्री करीब 12 प्रतिशत की ग्रोथ से आगे बढ़ी है। मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड के मंत्र पर चलते हुए अब निर्यात भी बढ़ रहा है।

श्री मोदी ने कहा, 'पिछली बार जब मैं आपके बीच आया था, तब लोकसभा के चुनाव ज्यादा दूर नहीं थे। उस दौरान मैंने आपके सबके विश्वास के कारण कहा था कि अगली बार भी 'भारत मोबिलिटी एक्सपो' में जरूर आऊंगा। देश ने तीसरी बार हमें आशीर्वाद दिया, आप सभी ने मुझे यहां बुलाया, इसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत मोबिलिटी एक्सपो का दायरा काफी बढ़ गया है। पिछली बार 800 से ज्यादा प्रदर्शक ने हिस्सा लिया, 1.5 लाख से ज्यादा लोगों ने विजिट किया। इस बार भारत मंडपम के साथ-साथ द्वारका के यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में भी ये एक्सपो चल रहा है। आने वाले 5-6 दिनों में बहुत बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे। अनेक नई गाड़ियां भी यहां लॉन्च होने वाली हैं। ये दिखाता है कि भारत में मोबिलिट के भविष्य को लेकर कितनी सकारात्मकता है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, एच डी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, मनोहर लाल और जीतनराम मांझी भी मौजूद थे।

मनु भाकर-गुकेश सहित चार को मिला खेल रत्न

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिए खेल पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर और विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अन्य केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

खेल मंत्रालय द्वारा जनवरी के शुरुआती सप्ताह में खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की गई थी और राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। मनु और गुकेश के अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार को भी खेल रत्न पुरस्कार दिया गया।

मनु-हरमनप्रीत ने ओलंपिक, गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप में किया प्रभावित

22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

सैफ का संदिग्ध हमलावर गिरफ्तार, जल्द ही होगा हमले का खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाले संदिग्ध को पुलिस ने हिरासत में लिया है। घटना को लेकर पुलिस संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ कर रही है। गरिफ्तार किया गया शख्स वैसा ही दिख रहा है जैसा कि सैफ के घर में हमलावर सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा था। इस मामले में मुंबई डीसीपी ने जानकारी दी है कि संदिग्ध शख्स को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन लाया गया है। पुलिस के अनुसार उक्त्स शख्स हाउस ब्रेकिंग का आरोपी रहा है, उस पर पहले भी हाउस ब्रेकिंग के मामले दर्ज किए गए हैं। अब पुलिस संदिग्ध शख्स से पूछताछ करने में जुटी है। पूछताछ के बाद बड़े खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है। यहां बताते चलें कि सैफ अली खान पर मुंबई, बांद्रा स्थित उनके घर पर ही 16 जनवरी की रात को जानलेवा हमला किया गया था। बताया गया कि हमलावर शख्स चोरी करने की नीयत से सैफ के घर में दाखिल हुआ था। मैट से हाथापाई के दौरान बचाने पहुंचे सैफ पर हमलावर ने चाकू से कई वार किए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि सैफ के घर में 56 साल की स्टाफ नर्स एलियामा फिलिप भी मौजूद थी। हमलावर ने उस पर हमला किया था, ऐसे में वो भी शिकायतकर्ता है। इस घटना में स्टाफ नर्स को भी चोटें आई हैं। इस मामले ने पुलिस ने स्टाफ नर्स फिलिप समेत घर में काम करने वाले अन्य स्टाफ और बिल्डिंग के गार्ड व अन्य लोगों के बयान दर्ज किए हैं। संदिग्ध की गिरफ्तारी के बाद मामले का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

राहुल गांधी ने देर रात एम्स में जाना मरीजों का हाल

-असुविधाओं को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार रात दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंचे और यहां मरीजों का हाल जाना। इस दौरान उन्होंने इलाज के लिए इंतजार में बैठे मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी ने कहा कि सर्द रातों और असुविधाओं के बीच इलाज की आस में आए मरीजों को केंद्र और दिल्ली सरकार की असंवेदनशीलता का सामना करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने मरीजों से बातचीत के दौरान उनकी समस्याओं को गहराई से समझने की कोशिश की। उन्होंने देखा कि मरीज और उनके परिवार सब-वे, फुटपाथ और सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर हैं। उन्होंने इसे सरकार की विफलता करार देते हुए कहा, बीमारी का बोझ, ठिठुरती सर्दी और सरकारी असंवेदनशीलता से जनता बेहाल है। राहुल गांधी ने एम्स दौरे की तस्वीरें भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, इलाज की उम्मीद में लोग सड़कों पर सोने को मजबूर हैं। ठंडी जमीन, भूख और असुविधाओं के बावजूद उनकी उम्मीदें जिंदा हैं। लेकिन केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों इस जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम साबित हुई हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, एम्स के बाहर इलाज का इंतजार करते लोग सरकारी असंवेदनशीलता के सबसे बड़े शिकार हैं। राहुल गांधी ने मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं समझी और इस स्थिति में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। राहुल गांधी का यह दौरा न केवल मरीजों के प्रति सहानुभूति दर्शाने का प्रयास था, बल्कि केंद्र और दिल्ली सरकारों पर सवाल खड़े करने का भी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और प्रशासन की असंवेदनशीलता ने जनता को असहाय बना दिया है। एम्स के बाहर मरीजों की स्थिति और राहुल गांधी की इस पहल ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

दिल्ली के लिए बीजेपी ने खोला वादों का पिटारा

महिलाओं को 2500 प्रतिमाह, एलपीजी सिलेंडर पर 500 की सब्सिडी

पटियाला (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र भाग - I लॉन्च किया। जेपी नड्डा ने कहा कि आज जो बिंदु मैं रखने वाला हूं, ये विकसित दिल्ली का आधार रखने वाले हैं। दिल्ली को किस तरह से आगे बढ़ाया जाए, उन बिंदुओं पर आज हम चर्चा करेंगे। मेनिफेस्टो पहले भी आते थे, लेकिन आप भी भूल जाते थे और राजनीतिक पार्टियां भी भूल जाती थी कि उन्होंने क्या कहा था। लेकिन ये राजनीतिक संस्कृति का परिवर्तन है कि आज मेनिफेस्टो 'संकल्प पत्र' में परिवर्तित हो गया है। संकल्प से सिद्धि की ओर जाने का मंत्र भी हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिया है। महिलाओं को हर महीने 2500 प्रतिमाह देने का भी वादा बीजेपी ने अपने मेनिफेस्टो में किया है। इसके साथ ही एलपीजी सिलेंडर पर 500 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं होली और दीवाली पर एक एक सिलेंडर मुफ्त में दिए जाएंगे। गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि दिल्ली में जो जन कल्याण की योजनाएं चल रही हैं, वो सारी योजनाएं भाजपा की सरकार बनने पर भी जारी रहेंगी। उन सभी योजनाओं का ज्यादा कारगर तरीके से सुदृढ़ीकरण किया जाएगा और उन्हें भ्रष्टाचार से मुक्त भी किया जाएगा। हमने गरीब कल्याण, सुशासन, गुड गवर्नेंस, महिला सम्मान, विकास, युवाओं और किसानों का सशक्तिकरण और मजदूर वर्ग को मुख्य धारा में लाने को अपना श्ङ्खद्भद्गष््रद्व1द्ग बनाया और आज मुझे खुशी है कि

नीति आयोग के अनुसार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल आए हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का संकल्प पत्र विकसित दिल्ली की नींव रखने वाला है। उन्होंने कहा कि युवा, मजदूर महिला, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों से बात कर संकल्प पत्र तैयार किया गया है। आप सरकार वर्तमान में बिजली और पानी पर सब्सिडी देती है और साथ ही उसने महिलाओं के लिए डीटीसी बसों में यात्रा मुफ्त कर रखी है। हाल ही में उसने सत्ता में वापस लौटने पर महिला सम्मान योजना के तहत हर महिला को प्रतिमाह 2,100 रुपये देने की घोषणा की। गौरतलब है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीट के लिए पांच फरवरी को मतदान होना है जबकि नतीजे आठ फरवरी को आएंगे।

देश 2026 तक नक्सलमुक्त होकर रहेगा: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 'नक्सलमुक्त भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। उन्होंने इस पोस्ट में गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाकर्मियों द्वारा नक्सलियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का भी जिक्र किया।

गृह मंत्री ने कहा, 'नक्सलवाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन है और मोदी सरकार इसे समाप्त करने के लिए संकल्पित है। गुरुवार को बीजापुर (छत्तीसगढ़) में केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर नक्सलियों के विरुद्ध बड़ी सफलता प्राप्त की। मोदी सरकार 'नक्सलमुक्त भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा।÷

बता दें कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए थे। इस मुठभेड़ के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं, जिनमें एसएलआर और अन्य खतरनाक हथियार शामिल हैं।

यह मुठभेड़ बीजापुर के पुजारी कांकेर, मारुरबाका और तेलंगाना सीमा से सटे इलाकों में हुई थी। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब नौ बजे डीआरजी बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा की संयुक्त टीम, कोबरा बटालियन और सीआरपीएफ की टीम और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी। इसके बाद करीब एक हजार सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलवादियों को चारों तरफ से घेर लिया था।

सुरक्षाबलों ने माओवादियों के बड़े कैडरों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद डीआरजी बीजापुर, डीआरजी सुकमा, डीआरजी दंतेवाड़ा, कोबरा 204, 205, 206, 208, 210 और केरिपु 229 बटालियन की संयुक्त टीम के साथ यह ऑपरेशन शुरू किया था।

इससे पहले बीजापुर जिले में गुरुवार को ही नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक प्रेशर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के विस्फोट में सीआरपीएफ की कोबरा इकाई के दो कमांडो घायल हो गए थे।

समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि दुनिया भर में रक्षा-सुरक्षा का माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जा रहा हैद्ब लगभग आधा दशक बीत जाने के बाद, हम यह कह सकते हैं कि यह एक प्रकार से परिवर्तनशील दशक रहा है। दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में कई संघर्ष और युद्ध देखने को मिल रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने यहां नौसेना नागरिक वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी महत्वपूर्ण क्षमता को बढ़ाना होगा और आने वाले समय में अपने आक्रामक और रक्षात्मक दोनों ही प्रतिक्रियाओं को मजबूत करने की ओर ध्यान देना होगा। मुझे लगता है कि इन सबमें योजना का बहुत महत्व है और इस नियोजन प्रक्रिया में एक परामर्शात्मक दृष्टिकोण भी होना चाहिए, जिसमें हम सभी हितधारकों से सलाह-मशविरा करें। मैं समझता हूं कि इस नियोजन प्रक्रिया में हमारी नौसेना नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग भारत के विशाल क्षेत्रफल के कारण भारत को एक उपमहाद्वीप के रूप में जानते हैं। भारत की आर्थिक समृद्धि इस देश की समुद्री सुरक्षा से जुड़ी हुई है। इसके लिए जरूरी है कि हमारे समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा की जाए, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए और हमारे समुद्री मार्गों को - जो हमारे समुद्री हाईवे हैं- सुरक्षित रखा जाए। हाल के वर्षों में अमेरिकी और अन्य यूरोपीय नौसेना ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति घटाई है जबकि भारतीय नौसेना ने उपस्थिति बढ़ाई है। इसके बावजूद अदन की खाड़ी, लाल सागर और ईस्ट अफ्रीकी देशों से सटे समुद्री

इलाकों में खतरे बढ़ने का अंदेशा बना हुआ है। इसको देखते हुए भारतीय नौसेना अपनी उपस्थिति को और अधिक बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। समुद्री सुरक्षा के लिए अब साइबर सिक्योरिटी भी बड़ा ही महत्वपूर्ण अंग बन चुका है। जिस तेजी से साइबर हमलों में वृद्धि हो रही है, उसे देखते हुए उनकी अनदेखी करना घातक सिद्ध हो सकता है।

केरल में घटती आबादी बनी चिंता का विषय, तेजी से आ रही गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल, जिसे भारत का यूरोप कहा जाता है, अपने बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और प्रति व्यक्ति आय के लिए जाना जाता है। हालांकि, अब यहां की आबादी में जिस गति से गिरावट आ रही है, वह चिंता का विषय बन गई है। 2024 में केरल की अनुमानित आबादी 3.6 करोड़ थी, जबकि 1991 में यह संख्या 2.90 करोड़ थी।

पिछले 35 वर्षों में राज्य की आबादी केवल 70 लाख बढ़ी है। 2011 की जनगणना के अनुसार, यहां की आबादी 3.34 करोड़ थी, जो अब स्थिरता के करीब पहुंच गई है। लेकिन कोरोना महामारी के बाद से स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। पहले राज्य में सालाना 5 से 5.5 लाख बच्चों का जन्म होता था, लेकिन 2023 में यह संख्या घटकर केवल 3,93,231 पर आ गई, जो कि चार लाख से भी कम है। यह संख्या अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। जनसंख्या वैज्ञानिकों के अनुसार, किसी भी राज्य की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए 2.1 की फर्टिलिटी रेट की आवश्यकता होती है। केरल ने यह लक्ष्य 1987-88 में ही हासिल कर लिया था। यहां शिशु मृत्यु दर भी काफी कम है, जो प्रति एक हजार बच्चों पर सिर्फ छह है, जबकि राष्ट्रीय औसत 30 है। इसके बावजूद, पिछले तीन दशकों से यहां की आबादी स्थिर है, और पैदा होने वाले बच्चों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। केरल में फर्टिलिटी रेट 1987-88 में 2.1 प्रतिशत था, लेकिन इसके बाद यह घटने लगा। 1991 के बाद से यह दर 1.7 से 1.8 के बीच रही और 2020 में यह घटकर 1.5 प्रतिशत पर आ गई। 2021 में यह 1.46 प्रतिशत तक गिर गई और अब 2023 के आंकड़ों के अनुसार यह 1.35 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसका मतलब यह है कि यहां के अधिकांश दंपतियों के पास एक ही बच्चा है, और एक बड़ी संख्या ऐसे दंपतियों की है जिनके कोई बच्चे नहीं हैं। अगर यह ट्रेंड जारी रहता है, तो आने वाले समय में केरल की आबादी घटने लगेगी, जो न केवल सामाजिक और आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है, बल्कि राज्य की भविष्यवाणी के लिए भी एक गंभीर संकट बन सकता है। बता दें कि दक्षिण कोरिया, जापान और यूरोप जैसे देशों में घटती आबादी एक गंभीर समस्या बन चुकी है, और अब यह समस्या भारत के विकसित राज्य केरल में भी दिखने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेटा की माफी से सोशल मीडिया मंचों को सख्त सन्देश

भारत सरकार की सख्त आपत्ति को देखते हुए भले ही मेटा ने माफी मांग ली हो, लेकिन मार्क भरोसे के लायक नहीं है। यह माफी जहां जरूरी थी वही अब स्वागतयोग्य भी है। लेकिन मार्क का भारत के प्रति नजरिया गैर जिम्मेदाराना, लापरवाहीपूर्ण एवं दोषपूर्ण है। ऐसी निरंकुश सोच एवं उच्छृंखल मानसिकता की बुनियाद पर संबंधों की खड़ी होने वाली ईमारत खोखली एवं विनाशकारी ही होती है। यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई।

(लेखक -ललित गर्ग)

फेसबुक के लिये भारत एक संभावनाओं भरा बड़ा बाजार होने के बावजूद उसकी भारत के प्रति सोच भ्रामक, विवादास्पद एवं नकारात्मक रही है। फेसबुक और मेटा भारत के तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर विवादों में घिरती रही हैं। हाल ही में मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग एक बार फिर भारत को लेकर दिये गलत बयान के मामले में फंस गए हैं। जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि कोरोना के बाद दुनिया के कई देशों में मौजूदा सरकारें गिर गईं। भारत के लोकसभा चुनाव में भी नरेन्द्र मोदी सरकार हार गई। यह जनता का सरकारों में घटता भरोसा दिखाता है। इस बयान के बाद संसद की आईटी एंड कम्युनिकेशन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि इस गलत बयान पर कंपनी को माफी मांगनी चाहिए। वरना हमारी समिति उन्हें मानहानि का नोटिस भेजेगी। भारत सरकार की सख्त आपत्ति को देखते हुए भले ही मेटा ने माफी मांग ली हो, लेकिन मार्क भरोसे के लायक नहीं है। यह माफी जहां जरूरी थी वही अब स्वागतयोग्य भी है। लेकिन मार्क का भारत के प्रति नजरिया गैर जिम्मेदाराना, लापरवाहीपूर्ण एवं दोषपूर्ण है। ऐसी निरंकुश सोच एवं उच्छृंखल मानसिकता की बुनियाद पर संबंधों की खड़ी होने वाली ईमारत खोखली एवं विनाशकारी ही होती है। यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि भाजपा की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की एवं सफलतापूर्वक सरकार को चला रही है। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और न केवल देश में बल्कि दुनिया में भारत का परचम फहरा रहे है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? क्या वह जानबूझकर भारत सरकार के बारे में गलत सूचनाएं फैला रहे हैं? क्या यह शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्रों के साथ-साथ वहां की बड़ी आर्थिक शक्तियों की भारत के प्रति विरोधाभासी दुर्भावना नहीं है। कैसे मान लिया जाये कि यह गलती अनजाने में हुई है? क्या दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया मंच फेसबुक को संभालने वाली इतनी बड़ी कंपनी के मालिक से ऐसी गलती की उम्मीद की जा सकती है और ऐसी गलती उनको शोभा देती है कि वह भारत जैसे देश के चुनाव परिणाम से परिचित न हों? अगर यह गलती जुकरबर्ग से भूल या अनजाने में हुई है, तो भी यह गंभीर बात है।

मेटा इंडिया भी जुकरबर्ग की ही कंपनी है, जिसके एक आला अधिकारी ने कहा है कि अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी समूह मेटा के लिए भारत एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण एवं संभावनाभरा खास देश बना हुआ है। मेटा अपने व्यापार को भारत में विस्तारित करने के लिये विभिन्न योजनाओं पर काम भी कर रहा है। भारत मेटा के लिए बहुत अहम देश है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा चेन्नई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कैंपस में भारत में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च 2024 में जामनगर में हुए बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की प्री वेडिंग फंक्शन में जुकरबर्ग शामिल हुए थे। तभी उन्होंने रिलायंस के साथ इसको लेकर एक समझौता किया था। इस तरह मेटा के लिए भारत अहम है, तो इसके मालिक को भारत का नाम बहुत संभलकर एवं सोच समझकर लेना चाहिए। वैसे भी भारत सरकार अमेरिका, यूरोपीय देशों या चीन की तरह आक्रामक एवं उग्र नहीं है। आक्रामक देशों में तो सरकारें फेसबुक या मेटा की गलतियों पर उसे न केवल सबक सीखाती है बल्कि कई बार ऐसी गलतियों के चलते कंपनियों को भारी जुर्माना भी चुकाना पड़ता है। उन देशों की कड़ाई का ही नतीजा है कि सोशल मीडिया कंपनियां इन देशों में बहुत सजग रहती हैं, जबकि भारत के मामले में उनकी नीति बदल जाती है। भारत की उदारता का ये कंपनियां अधिकतम दुरुपयोग करना चाहती हैं। भारत को भी उदारता, सरलता एवं लचीलेपन की जगह कठोर एवं सख्त रवैया अपनाना चाहिए क्योंकि भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने के साथ दुनिया में अपनी एक स्वतंत्र एवं ठोस जगह बना चुका है। जुकरबर्ग से जुड़ा यह ताजा मामला ऐसे ही लोगों के लिये एक सबक एवं चेतावनी बनना चाहिए। भारत सरकार को चाहिए कि वह ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मालिकों और अधिकारियों को चेतावनी के शब्दों में सचेत कर दे कि वे भारत के महत्व को समझें, पर्याप्त सजग एवं सावधान रहें। भारतीयों को पता है कि साल 2019 में अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन ने उपयोगकर्ता की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए फेसबुक पर पांच अरब डॉलर का जुर्माना लगाया था।

मेटा प्रमुख मार्क के भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी प्रतिक्रिया दी और इसे 卐गलत जानकारी卐 करार देते हुए तथ्य और विश्वसनीयता बनाए रखने का आह्वान किया। मेटा के पब्लिक पॉलिसी के वाइस प्रेसिडेंट, शिवनाथ ठुकराल ने अश्विनी वैष्णव के पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, 卐मार्क जुकरबर्ग का यह कहना कि 2024 के चुनावों में कई देशों में सत्ताधारी पार्टियां फिर से नहीं चुनी गईं, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी मांगते हैं। भारत मेटा के लिए बेहद महत्वपूर्ण देश है और हम इसके इनोवेशन से भरे भविष्य का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।卐 भारत को अपना बाजार मानने वाले मेटा के लिये ऐसी भूल अनायास या जानबूझकर जैसे भी हो, होना दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि भारत जैसे सशक्त एवं ताकतवर लोकतांत्रिक देश के लिये गलत जानकारी प्रसारित करना देश की छवि को धूमिल करती है। यह तो भारत की उदारता, सहिष्णुता एवं भलमनसाहत है कि उसने ऐसी अक्षम्य गलती पर भी माफी से संतोष कर लिया, वरना भारी जुर्माना या अन्य कठोर सजा के प्रावधान हो सकते थे। फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। लेकिन इसके लिये समाज को नुकसान पहुंचाना कैसे जायज हो सकता है? इस तरह की गैर जिम्मेदारी एवं लापरवाही खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। ताजा विवाद को सरकार ने गंभीरता से लिया है, यह अच्छी बात है। लेकिन जरूरी है कि चिंता इसी मामले तक सीमित न रहे। हेट स्पीच, तथ्यों को तरोड़मरोड़ कर प्रस्तुत करना और फेक न्यूज के ऐसे अन्य मामले भी राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सरकार की सख्ती जहां मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बनाये वहीं अन्य मंचों के लिये भी सबक बने।

माफी के बाद जुकरबर्ग जैसे मालिकों को भी यह सुनिश्चित होगा कि उनके अधीन चलने वाले सोशल मीडिया मंचों पर भारत के प्रति किसी झूठ, भ्रम एवं असत्य बयानी का सिक्का न चले। क्योंकि भारत की उदारता को उसकी कमजोरी मानने की मानसिकता घातक हो सकती है। भारत को लेकर कोई गलत सूचना संचारित-प्रसारित न हो, तथ्यों की प्रामाणिकता एवं सच्चाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मनगढ़ंत या झूठी सूचनाओं का प्रचार- संचार अब भारत के लिये सहनीय नहीं है। फेसबुक या अन्य सोशल मंचों पर बहुत सारी झूठी, भ्रामक, विध्वंसक या फर्जी सूचनाएं समय-समय पर घूमती रहती हैं, जिससे भारत की राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द, इंसानी सद्भावना आहत होती रही है। भारत के कतिपय राजनीतिक दल इसके लिये ऐसे मंचों को प्रोत्साहन भी देते हैं लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद भारत को मजबूती से इनके खिलाफ खड़े होकर उनको उनकी जमीन दिखाना ही चाहिए। ऐसी सख्ती ही भारत की छवि को मजबूती प्रदान करेंगी एवं तभी दुबारा ऐसा दुस्साहस करने की कोई चेष्टा नहीं करेगा।

संपादकीय

'डॉकिंग' से अंतरिक्ष में खुले अनंत द्वार

नये साल की शुरुआत के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक कामयाबी हासिल कर ली। इसरो ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' यानी स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की अंतरिक्ष में डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इस सफलता के बाद अब भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। इस ऐतिहासिक कामयाबी से भारत अमेरिका,रूस व चीन के बाद यह लक्ष्य हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इस मिशन की कामयाबी से भारत के चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे मिशनों का भविष्य तय हुआ है। जहां चंद्रयान-4 मिशन से चंद्रमा की मिट्टी के नमूने भारत लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। दरअसल, स्पेडेक्स दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिये एक किफायती प्रौद्योगिक मिशन है। गत तीस दिसंबर को इसरो ने इस प्रयोग को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसके अंतर्गत दो छोटे उपग्रहों को पीएसएलवी सी-60 के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के 15 मिनट बाद 220 किलो वजनी दो छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया गया था। बीते कल डॉकिंग के बाद एक सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में स्पेसक्राफ्ट का नियंत्रण सफलता पूर्वक किया गया। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पॉवर स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। दरअसल, अंतरिक्ष में डॉकिंग का मतलब है दो अंतरिक्ष यानों को आपस में जोड़ना। इस डॉकिंग प्रक्रिया को धरती से संचालित किया गया था। कालांतर ये दोनों उपग्रह अपने पेलोड के ऑपरेशन शुरू करेंगे। ये दो साल तक मूल्यवान डेटा इसरो को भेजते रहेंगे। निश्चित रूप से यह प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, बिना गुरुत्वाकर्षण के बीच तेज गति से घूम रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ना बेहद कठिन कार्य होता है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की मेधा से यह संभव हुआ है। बहरहाल, इस मिशन की सफलता ने आने वाले समय में गगनयान मिशन, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्री भेजने के अभियान की सफलता की राह सुगम कर दी है। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के बाद वहां आने-जाने के लिये भी डॉकिंग तकनीक उपयोगी साबित होगी। वहीं दूसरी ओर सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसान को चंद्रमा पर भेजने के लिये भी यह तकनीक जरूरी थी। निस्संदेह, यह अभियान खासा चुनौतीपूर्ण था। गुरुवार को मिली सफलता से पहले सात और नौ जनवरी को तकनीकी कारणों से इस मिशन को टाला गया था। फिर बारह जनवरी को इसरों ने एक परीक्षण किया था, जिसमें दोनों उपग्रहों को तीन मीटर तक की दूरी तक लाया गया था। इसके बाद आगे के प्रयोगों के लिये सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय वैज्ञानिकों ने खुद का डॉकिंग मैकेनिज्म विकसित किया। इस बेहद जटिल व संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब हुए देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है।

क्या आप लगा पाएगी दिल्ली में चुनावी चौका

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

आगामी पांच फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए सभी राजनीतिक दल जोड़-तोड़ करने में जुट गए हैं। चुनाव में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप) व कांग्रेस पार्टी के बीच होना तय माना जा रहा है। पिछले दो विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के बीच हुआ था। कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। मगर इस बार कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। वहीं विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले ही लड़ेगी। कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने व पिछले लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुकाबला त्रिकोणात्मक होने की संभावना बनने लगी है। दिल्ली में तीन बार सरकार बनाकर आप ने मजबूत पकड़ बनायी हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद भाजपा आप के सामने टिक नहीं पा रही है।

आप के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन से 28 दिसंबर 2013 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के चलते 49 दिन में ही सरकार गिर गई थी। फरवरी 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप ने 67 सीटें जीतकर एक नया इतिहास रच दिया था। आप को 54.34 प्रतिशत वोट मिले थे। अरविंद केजरीवाल ने 14 फरवरी 2015 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उस चुनाव में भाजपा को मात्र तीन सीट तथा 32.19 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली तथा वोट भी घटकर 9.65 प्रतिशत रह गये थे।

2020 के विधानसभा चुनाव में आप ने 62 सीटे जीतकर 53.57 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 16 फरवरी 2020 को अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। 2020 के चुनाव में भाजपा की सीट तीन से बढ़कर आठ तक पहुंच गई थी तथा वोटो का प्रतिशत भी बढ़कर 38.51 प्रतिशत हो गया था। कांग्रेस को इस बार भी कुछ नही मिला था। कांग्रेस को 4.26 प्रतिशत वोट ही मिले थे। कांग्रेस के अधिकांश प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी।

2 अक्टूबर 2012 को गांधी जयंती के दिन आम आदमी पार्टी का गठन किया गया था। पार्टी के गठन के ठीक एक साल एक महीने और दो दिन बाद 4 दिसंबर 2013 को दिल्ली विधानसभा चुनाव के वोट डाले गए थे। 8 दिसंबर 2013 को चुनाव के नतीजे आए तो आप को 28 सीटें तथा 29.49 प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को उनकी नई दिल्ली सीट पर करीब 26000 वोटो से हराया था। उस चुनाव में भाजपा को 31 सीट व 33.07 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस को 8 सीट व 24.55 प्रतिशत वोट मिले थे।

उस वक्त कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के चक्कर में आप को समर्थन देकर अरविंद केजरीवाल को पहली बार मुख्यमंत्री बनवाया था। कांग्रेस की यही भूल अब तक कांग्रेस को लगातार जीरो पर आउट कर रही है। उस वक्त यदि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन नहीं दिया होता तो आगे विधानसभा चुनाव के नतीजे अलग हो सकते थे। मगर अपनी भूल का कांग्रेस आज तक खामियाजा उठा रही है। 1998 से 2008 तक लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बनाने वाली कांग्रेस 2013 में मात्र 8 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस की एक भूल उस पर इतनी भारी पड़ गई कि वह आज तक संभल नहीं पा रही है। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के करीब 8 महीने बाद विधानसभा चुनाव होते हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा 2014 से 2024 तक लगातार दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज करवाती आ रही है। वहीं विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के वोट डालने का ट्रेंड बदल जाता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कर 46.63 प्रतिशत यानी 38 लाख 38 हजार 850 वोट प्राप्त किए तथा 60 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को 33.08 प्रतिशत यानी 27 लाख 22 हजार 887 वोट मिले थे तथा 10 सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस को 15.22 प्रतिशत यानी 12 लाख 53 हजार 78 वोट मिले थे। कांग्रेस एक सीट पर भी आगे नहीं थी। वही 2015 के विधानसभा चुनाव में आप को 67 सीटों पर जीत मिली थी।

इसी तरह 2019 में भाजपा ने 56.85 प्रतिशत यानी 49 लाख 8 हजार 541 वोट लेकर सभी सीट जीती थी। तथा 65 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं आप को 18.20 प्रतिशत यानी 15 लाख 71 हजार 687 वोट मिले थे और सीट एक भी नहीं जीती थी। आप किसी विधानसभा सीट पर आगे नहीं रही थी। वहीं कांग्रेस को 22.63 प्रतिशत यानी 19 लाख 53 हजार 900 वोट मिले थे। कांग्रेस को सीट एक भी नहीं मिली मगर पांच विधानसभा सीट पर आगे रही थी।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने लगातार तीसरी बार सभी सातों सीटों को जीतकर 54.35 प्रतिशत यानी 48 लाख 44 हजार 180 वोट प्राप्त किए थे। वहीं 52 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। पार्टी को 24.17 प्रतिशत यानी 21 लाख 54 हजार एक वोट मिला था। पार्टी 10 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस का भी सुपड़ा साफ हो गया था तथा उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से समझौता कर चुनाव लड़ा था। समझौते में आप ने चार व कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें कांग्रेस को 18.91 प्रतिशत यानी 16 लाख 85 हजार 494 वोट मिले थे। कांग्रेस ने आठ विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की थी।

पिछले दो विधानसभा चुनाव के मतदान का ट्रेंड देखे तो दिल्ली में करीबन 16 से 18 प्रतिशत मतदाता ऐसे होते हैं जो किसी भी पार्टी के समर्थन नहीं है। वह हवा का रूख देख कर मतदान करते हैं। आप को स्विंग वाटरों की बदौलत दो बार भारी बहुमत मिल चुका है। स्विंग वोटर का झुकाव जिधर होता है उसी की जीत तय होती है। लोकसभा चुनाव में तो राष्ट्रीय मुद्दों के चलते स्विंग वोटर भाजपा की तरफ झुक जाता है। मगर विधानसभा चुनाव में उसका मूड बदल जाता है।

(चिंतन-मनन)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विचार मंथन

टेलीफोन की घंटी सुनते ही 25 फ़ीसदी लोंगो में घबराहट, टेलीफोबिया

(लेखक- सनत जैन)

टेलीफोन की घंटी बजते ही 25 फ़ीसदी लोगों में घबराहट होने लगती है। मनोविज्ञान के डॉक्टरों का कहना है, कि आज के तकनीकी युग में टेलीफोन हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। जो अब मानसिक बीमारी का कारण बन रहा है। अध्ययन में यह सामने आया है, टेलीफोन की घंटी सुनते ही 25 फीसदी लोग घबराहट का अनुभव करते हैं। यह स्थिति आधुनिक समाज में बढ़ती मानसिक अस्थिरता और तनाव का प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। ब्रिटेन जैसे देश में 25 फ़ीसदी से अधिक आबादी टेलीफोबिया के कारण मानसिक रूप से परेशान है। जिसके कारण उनका सामाजिक और पारिवारिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। टेलीफोन की घंटी घबराहट का कारण तब बनती है, जब व्यक्ति अचानक आने वाले संवाद या सूचना के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं होता है। कुछ लोग संभावित नकारात्मक समाचार या काम के दबाव से जोड़ लेते हैं। तेज आवाज और अचानक आने वाले व्यवधान से व्यक्ति की एकाग्रता भंग हो जाती है। जो काम उसने सोच रखा है, उसमें व्यवधान आ जाता है, जिसके कारण उसकी चिंता बढ़ जाती है।

वर्तमान में मोबाइल फोन 24 घंटे लगातार हमारी जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। मानव जीवन तकनीकी उपकरणों पर निर्भर है। मोबाइल फोन का हर समय बजना, जाने-अनजाने लोगों द्वारा कॉल करना, अब तो साइबर ठग और वसूली करने के लिए बैंकों और कर्ज वसूलने वालों के कॉल लोगों को लगातार परेशान कर रहे हैं। कॉल करने वाले तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर करते हैं। हर वक्त मोबाइल में उपलब्धता मानसिक तनाव बढ़ाती है। इससे पारिवारिक, व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों पर बड़ा दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कुछ दशकों पहले जिस तरह से डाकिया टेलीग्राम लेकर आता था और उस टेलीग्राम को देखते ही आदमी आशंकाओं से भर जाता था कि कौन सा बुरा समाचार आया है। वही स्थिति आज मोबाइल पर बजने वाली घंटी को लेकर है। मोबाइल फोन पर आने वाले कॉल के कारण लोग रोजाना परेशान हो रहे हैं। इसका असर मानसिक रूप से 25 फ़ीसदी लोगों पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। इससे बचने के लिए जरूरी है, कि मोबाइल फोन का उपयोग सीमित किया जाए। दिनभर के लिए फोन कॉल को चेक करने का निश्चित समय तय करें। मोबाइल फोन की घंटी के लिए मधुर ध्वनियों का चुनाव करें, जो मन को शांत और आनंद महसूस कराने वाली हों। यदि मोबाइल फोन की घंटी से घबराहट होती हो, तो किसी मनोविज्ञान के विशेषज्ञ से परामर्श लें। मोबाइल फोन इंटरनेट इत्यादि तकनीकी उपकरणों से कुछ समय के लिए ही संपर्क में आए। उनसे जितना कम जुड़ेंगे, मनोवैज्ञानिक रूप से आप उतने ही स्वस्थ और शांत रहेंगे। मोबाइल फोन की घंटी से घबराहट होना एक सामान्य समस्या बनती जा रही है। मोबाइल फोन को अनदेखा भी नहीं किया जा सकता है। वर्तमान में मोबाइल फोन संपर्क करने का सबसे बड़ा साधन है। मोबाइल फोन से बैंक और फाइनेंस कंपनियां वसूली कर रहे हैं। ऑनलाइन ट्रांसफर की सुविधा होने के कारण आम आदमियों पर जाने अनजाने में अनावश्यक मानसिक दबाव डाला जा रहा है। इस स्थिति में मोबाइल फोन का उपयोग करते समय अनावश्यक कॉल को उठाने से बचें, एक निश्चित समय पर इस तरह की जो कॉल आती है, उससे बात करने के लिए अपने आप को तैयार करें।

आधुनिक जीवन में मानसिक स्थिति को बेहतर बनाए रखना अतिआवश्यक है। जागरूकता और प्रबंधन से वर्तमान दौर में हम मोबाइल टेलीफोन और इंटरनेट का सही तरीके से उपयोग करेंगे तो घबराहट से बचा जा सकता है। हम तकनीक का सकारात्मक उपयोग कर सकते हैं। वर्तमान युग में जिस तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं, वे मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से लगातार परेशान करने वाले साबित हो रहे हैं। इस स्थिति में हमें अपनी जीवन शैली और अपनी जरूरत के अनुसार उन्हें उपयोग करने की जरूरत है, ताकि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों के गुलाम होने से बचा जा सके। विश्वव्यापी यह एक समस्या है जो धीरे-धीरे विकराल होती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में हमें इसके साथ रहते हुए समझ के साथ इनका उपयोग करना सीखना होगा। तभी हम सुरक्षित रह पाएंगे। टेलीफोबिया की बीमारी से बचने के लिए मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सीमित और निश्चित समय सीमा पर उपयोग किया जाएगा, तो यह जीवन को आसान बनाएंगे। अन्यथा आपके जीवन में कष्ट ही कष्ट पैदा करेंगे। इस बात का ध्यान रखना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनसीएलएटी ने एटिवो में आईएफआईएन के 593 करोड़ रुपये के दावे को किया बहाल

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विस (आईएफआईएएन) के 593 करोड़ रुपये के दावों को बहाल कर दिया है। इस फैसले से एटिवो इकोनॉमिक जोन्स की मौजूदा दिवाला समाधान प्रक्रिया में ऋणदाताओं की समिति के मतदान अधिकार भी बहाल कर दिए गए हैं। इससे पहले, कोलकाता स्थित श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस (एसआईएफएल) का हिस्सा और औद्योगिक पार्कों के विकास, प्रबंधन व विपणन के व्यवसाय में शामिल एटिवो इकोनॉमिक जोन्स के अंतरिम समाधान पेशेवर ने 12 सितंबर 2023 को आईएलएंडएफएस समूह इकाई के दावों को खारिज कर दिया था। एनसीएलएटी ने यह निर्णय लेते समय कहा कि इससे आईएफआईएएन के 593 करोड़ रुपये के दावे को खारिज करने वाले 12 सितंबर 2023 के पत्र को जारी करने की आवश्यकता नहीं है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने इस निर्णय का समर्थन किया। एनसीएलएटी ने आईआरपी द्वारा 12 सितंबर 2023 का पत्र रद्द कर दिया गया है और 39.14 प्रतिशत मतदान अधिकार को एटिवो इकोनॉमिक जोन (मुंबई) प्राइवेट लिमिटेड के सीआईआरपी में बहाल किया गया है। आईएलएंडएफएस ने करीब 593 करोड़ रुपये का दावा दायर किया था, जिसे एटिवो इकोनॉमिक जोन के आईआरपी ने स्वीकार किया और ऋणदाताओं के समिति में 39.14 प्रतिशत की हिस्सेदारी आवंटित की।

ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री में गिरावट, बजाज और टीवीएस में बढ़त

टीवीएस ने जनवरी के पहले 15 दिनों में 23 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक, जिसे पहले भारतीय बाजार में नंबर वन पर देखा जाता था, अब गिरती बिक्री का सामना कर रही है। ग्राहकों ने ओला की गुणवत्ता और आफ्टर सेल सर्विस की वजह से उससे दूरी बनानी शुरू कर दी है। पिछले महीने के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक ओला की बिक्री में 18 फीसदी की गिरावट आई है। इसी बीच बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में अपनी बढ़त दिखाई है। टीवीएस ने जनवरी के पहले 15 दिनों में 23 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है, जबकि बजाज ने 25 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे पायदान पर जगह बनाई है। ओला को अपनी बिक्री में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है, जबकि दूसरी कंपनियां अपनी बढ़त के साथ बाजार में अच्छी पोजीशन बना रही हैं। यह स्थिति ओला के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रही है और दरअसल बाजाज और टीवीएस इस सेगमेंट में अपनी प्रतिष्ठा बनी हुई हैं।

फर्जी एसबीआई रिवार्ड मैसेज साइबर धोखाधड़ी का खतरा

- मैसेज नहीं भेजने की स्पष्ट चेतावनी जारी

नई दिल्ली । एक गंभीर साइबर सुरक्षा खतरे को लेकर भारतीय साइबर सुरक्षा ने चेतावनी जारी की है। एक फर्जी मैसेज जो एसबीआई रिवार्ड का दावा कर रहा है, उसमें एक फर्जी एपीके फाइल को डाउनलोड करने के लिए कहा जा रहा है। फार्जी मैसेज में दावा किया जा रहा है कि एसबीआई रिवॉर्ड पे वाइंट मिलने के लिए एपीके फाइल डाउनलोड की जानी है, लेकिन यह सच नहीं है। एसबीआई ने भी इस पर विचार करते हुए इस तरह के मैसेज नहीं भेजने की स्पष्ट चेतावनी जारी की है। एसबीआई एक एंड्रॉइड पैकेज किट (एपीके) फाइल एसएमएस या व्हॉट्सएप के माध्यम से नहीं भेजता है, और इनकी रिवॉर्ड लेने के लिए कोई भी एपीके डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है। फर्जी एपीके फाइल को डाउनलोड करने से आपके पर्सनल डेटा और वित्तीय सुरक्षा पर खतरा हो सकता है। इस तरह के लिंकों से बचें और अनजान स्रोतों से इनस्टॉलेशन न करें। साइबर अपराधियों की इस धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहें और ऐसे मैसेजों को तुरंत रिपोर्ट करें। सुरक्षित रहें, साइबर अपराधियों से बचें।

नोएडा में 18 नई कंपनियां 5 हजार करोड़ का करेंगी निवेश

- 16 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे

नोएडा ।

नोएडा में विकास की रफ्तार को नई दिशा देने के लिए 18 नई कंपनियां तैयार हैं, यह कंपनियां जल्द ही करीब 4800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह निवेश उद्योग, संस्थागत, व्यावसायिक और आवासिय क्षेत्रों में होगा, जो न केवल क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, बल्कि 16 हजार से अधिक लोगों के लिए नए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा। नोएडा प्राधिकरण ने इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का निर्धारित किया है। राज्य सरकार ने 90 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सर्टिमोनी की योजनाएं बनाई थीं। अब तक 315 परियोजनाओं से 78,563 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया गया है, जो निर्धारित लक्ष्य का 87.29 प्रतिशत है। हाल ही में पांच नई कंपनियों ने 1517 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनसे 4,240 लोगों को नई रोजगार की संभावना है। अगले कुछ सप्ताहों में, 13 अन्य कंपनियां

भी 3253 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार हैं, जिससे 11,770 और लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। नोएडा में निवेश के लिए 315 कंपनियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया है, जिसमें 159 औद्योगिक, 118 संस्थागत, 22 व्यावसायिक कंपनियां और 16 हाउसिंग परियोजनाएं शामिल हैं। प्राधिकरण ने इन सभी कंपनियों को भूखंड आवंटित कर दिया है, जिससे नोएडा के विकास में नई ऊंचाइयां स्थापित होंगी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 86.60 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.58 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अस्थिर वैश्विक रुझानों के बीच घरेलू बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी जारी रही जिसका प्रभाव भी भारतीय मुद्रा पर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.60 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले यह 86.58 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.61 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 108.80 पर रहा।

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजी के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी

- बीएसई में कंपनी के शेयर शुक्रवार को 1044.70 रुपए पर खुले, कुछ देर बाद गिरे

नई दिल्ली । वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी है, जिससे निवेशकों में चिंता की लहर दौड़ रही है। शुक्रवार को बीएसई में कंपनी के शेयर 1044.70 रुपए पर खुले और कुछ ही देर बाद 7 फीसदी से अधिक गिरकर 1001.05 रुपए तक पहुंच गए। इंट्रा-डे हाई 1058.70 रुपए पर दर्ज किया गया, जो निवेशकों को एक सामान्य स्थिति में देखने के लिए आशंकायुक्त था। कंपनी की आर्थिक स्थिति भी विवादित है, क्योंकि दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 17 फीसदी घटकर 53.5 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 64.20 करोड़ रुपए था। हालांकि, कंपनी की इनकम में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। निवेशकों के लिए एक राहत की खबर यह है कि कंपनी ने हाल ही में प्रत्येक शेयर पर 1 रुपए का डिविडेंड घोषित किया है, जिसके लिए 24 जनवरी को रिकॉर्ड डेट तय की गई है। कंपनी के शेयरों में बीते 6 महीनों में 46 फीसदी की गिरावट आई है, जो निवेशकों को चिंताजनक लग रही है। हालांकि, लंबी अवधि में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है, पिछले 5 वर्षों में 31,000 फीसदी से अधिक का रिटर्न देकर निवेशकों को आकर्षित किया था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 423 , निफ्टी 108 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबरी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। इसके साथ ही बैंकिंग व आईटी स्टॉक्स में हुई बिकवाली के कारण भी बाजार नीचे आया। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 423 अंक करीब 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ ही 76,619 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 108 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी की गिरावट लेकर 23,203 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 30 कंपनियों में से इंफोसिस तथा एक्सिस बैंक के शेयर में पांच फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। कोटक बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी गिरे।

दूसरी ओरी जोमैटो और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में दो फीसदी से अधिक की तेजी रही। नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी, एलएंडटी, सनफार्मा के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए।

बाजार जानकारों के अनुसार दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक जैसे आईटी स्टॉक्स में भारी बिकवाली की वजह से आज शेयर बाजार टूटा। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। वहीं इससे पहले आज सुबह बैंक और आईटी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार गिरा। जबकि इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी से बाजार को सपोर्ट मिला है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 485 अंक गिरकर 76,557.79 अंक पर आ गया। ऐसे ही निफ्टी 144.75 अंक गिरकर 23,167.05 अंक पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। एएसएक्स 200 सपाट रहा, जबकि निक्केई में 0.21 फीसद की गिरावट और टोपिक्स में 0.48 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कोस्पी लगभग स्थिर रहा। चीन के दिसंबर

औद्योगिक उत्पादन, रिटेल बिक्री और चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े निवेशकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 5 फीसदी सालाना रहने की संभावना है, जो पिछली तिमाही के 4.6 फीसदी से बेहतर है। इसके अलावा सिंगापुर के दिसंबर गैर-तेल निर्यात आंकड़े भी निवेशकों की रुचि का केंद्र बने हुए हैं। वहीं अमेरिका में शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में दिखे। एसएंडपी 500 तीन दिन की तेजी को तोड़ते हुए 0.21 फीसदी गिरा। नेस्डेक में 0.89 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। डाओ जोंस 0.16 फीसदी गिरकर 43,153.13 पर बंद हुआ

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या भारत में 900 मिलियन के पार

- ग्रामीण भारत बना मुख्य केंद्र

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या इस साल 900 मिलियन को पार करने वाली है। अनुमानों के अनुसार, 2024 में सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 886 मिलियन तक पहुंच गई है, जिसमें वर्ष-ब-वर्ष 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे मुख्य कारण माना जा रहा है भारतीय भाषाओं में उपलब्ध डिजिटल कंटेंट का बढ़ता हुआ उपयोग है, जिससे क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रामीण भारत, जहां 488 मिलियन उपयोगकर्ता हैं, कुल इंटरनेट जनसंख्या का 55 फीसदी हिस्सा बनाता है। इन क्षेत्रों में इंटरनेट की मांग तेज़ी से बढ़ रही है और इसकी वृद्धि दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में दोगुनी है। ग्रामीण भारत में महिलाएं भी इस डिजिटल क्रांति का अहम हिस्सा बन रही हैं, क्योंकि कुल महिला उपयोगकर्ताओं का 58 फीसदी हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से आता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 98 फीसदी इंटरनेट उपयोगकर्ता भारतीय भाषाओं में कंटेंट का उपभोग कर रहे हैं, तमिल, तेलुगु, और मलयालम जैसी भाषाएं सबसे अधिक लोकप्रिय हैं। शहरी क्षेत्रों में भी 57 फीसदी उपयोगकर्ता क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता दे

रहे हैं, जो विभिन्न प्लेटफार्मों पर स्थानीय भाषा के कंटेंट की मांग को दर्शाता है। देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की भागीदारी 47 फीसदी तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे अधिक है।

ट्रम्प के व्यापार प्रतिबंधों से भारतीय निर्यात को मिल सकती है चुनौतियां

नई दिल्ली । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा व्यापार प्रतिबंधों की चपेट में आने के कारण भारत सहित अन्य एशियाई बाजारों में चीन द्वारा अपने निर्यात को और आक्रामक बनाने की संभावना है। एक रिपोर्ट में इस विषय पर जानकारी दी है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय निर्यात क्षेत्र में कठिनाई आ सकती है और प्रतिस्पर्धा में बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका द्वारा चीन के ऊपर भारी टैरिफ लगाने की संभावना है जिससे चीन की अर्थव्यवस्था में प्रमुख अस्तित्वहानि हो सकती है। इसका असर उनके निर्यात से जुड़े दूसरे बाजारों, जैसे भारत पर भी हो सकता है। रिपोर्ट में भारत के व्यापारिक निर्यात की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है। दिसंबर 2024 में भारत के व्यापारिक निर्यात में 4.8 प्रतिशत की गिरावट थी। इसका मुख्य कारण रत्न और आभूषण तथा तेल निर्यात में कमी दिखी। रिपोर्ट में उभरते चुनौतियों के बारे में सामग्री प्रस्तुत की गई है जिससे भारत के व्यापार क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों की स्थिति स्पष्ट होती है।

ट्रांसफॉर्मेशनल ग्रोथ के लिए तैयार है रिलायंस इंडस्ट्रीजः मुकेश अंबानी

- कंपनी का मुनाफा 17,265 करोड़ रुपये से बढ़कर 18,540 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी तीसरी तिमाही के रिजल्ट जारी करके अपने उच्च स्तरीय वित्तीय प्रदर्शन की गरिमा को साबित किया है। इस दौरान कंपनी ने आय और मुनाफे में वृद्धि दर्ज की है, जिससे उसकी स्थिति मजबूत हुई है। कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 17,265 करोड़ रुपये से बढ़कर 18,540 करोड़ रुपये रहा है। नतीजों पर बात करते हुए कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि आरआईएल ट्रांसफॉर्मेशनल ग्रोथ के लिए तैयार है। मुकेश अंबानी ने कहा कि हमारी जामनगर रिफाइनरी की 25वीं वर्षगांठ पिछले महीने मनाई गई। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि रिलायंस तेजी से आगे बढ़ रहा है और नित नए मानक स्थापित कर रहा है। इससे हमारे व्यवसायों में निहित ताकत और लचीलेपन की भी झलक मिलती है। मुकेश अंबानी ने बढ़ते डिजिटल सेवा व्यवसाय और रिटेल सेगमेंट के सफलतापूर्वक प्रदर्शन पर जोर दिया है। जियो की टीम ने नए भारत की टेक्नोलॉजी क्षमताओं में भूमिका निभाई है, जो उसके ग्राहकों को उत्कृष्ट डिजिटल अनुभव प्रदान करने में मदद करता है। रिटेल सेगमेंट में रिलायंस ने भी अपने अच्छे प्रदर्शन के साथ कई उपयोगी प्रस्तुतियाँ की है। उनकी ग्राहक-केंद्रित इनोवेशन और व्यापक पहुंच द्वारा, वे ग्राहकों को उत्तम खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत रही हैं। ओ2सी व्यवसाय ने भी मजबूत प्रदर्शन किया है, जिससे रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार हुआ और पेट्रोकेमिकल डेल्टा में भी सुधार देखा गया है। रिलायंस के चेयरमैन का कहना है कि कंपनी तैयार है ट्रांसफॉर्मेशनल ग्रोथ के लिए, जो उसके उच्च स्तरीय वित्तीय प्रदर्शन की गरिमा को साबित करता है। इससे स्पष्ट होता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नए ऊर्जा और क्रियाशीलता की दिशा में उच्च स्तर पर प्रगति की है और निकट भविष्य में भी यहाँ अच्छे परिणाम की उम्मीद की जा सकती है।

भारत अगले दो वर्षों तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी रहेगी- विश्व बैंक

- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.7 फीसदी पर स्थिर रखा गया

नई दिल्ली ।

विश्व बैंक ने कहा है कि भारत अगले दो वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.7 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में निरंतर विस्तार और विनिर्माण गतिविधियों में मजबूती की उम्मीद है। सरकार की लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार और कर सुधारों की पहल इन क्षेत्रों को बढ़ावा देगी। विश्व बैंक ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2025 और 2026 में 2.7 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है, जो 2024 के समान रहेगा। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अगले दो वर्षों में 4 फीसदी की स्थिर वृद्धि का अनुमान है। विश्व बैंक के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि अगले 25 साल विकासशील देशों के लिए पिछले 25 वर्षों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण होंगे। उच्च ऋण, कमजोर निवेश और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती लागत जैसी चुनौतियां इन देशों के सामने होंगी। इन चुनौतियों से निपटने के लिए घरेलू सुधारों पर जोर देना होगा। विश्व बैंक ने कहा कि भारत की निजी खपत वृद्धि मजबूत श्रम बाजार, विस्तारित क्रेडिट और घटती मुद्रास्फीति से बढ़ेगी। हालांकि, सरकारी खपत वृद्धि सीमित रह सकती है। भारत की विकास दर 2023-24 के 8.2 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 6.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेश में कमी और कमजोर विनिर्माण गतिविधियों के कारण यह गिरावट देखी जाएगी। हालांकि, सेवा क्षेत्र स्थिर है और कृषि क्षेत्र में सुधार हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में आय में सुधार के चलते निजी खपत लचीली बनी हुई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में उच्च मुद्रास्फीति और धीमी क्रेडिट वृद्धि ने खपत को प्रभावित किया है। विश्व बैंक ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में राजकोषीय नीतियां कड़ी रहेंगी। भारत में कर राजस्व में वृद्धि से राजकोषीय घाटा कम होने की उम्मीद है। हालांकि, नीतिगत अनिश्चितताएं और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार नीतियों में बदलाव क्षेत्र के लिए जोखिम बने रहेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि संरक्षणवादी नीतियों में वृद्धि, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोप में, दक्षिण एशियाई देशों के निर्यात को प्रभावित कर सकती है।

मेटा में फिर होगी छंटनी, करीब 3,600 कर्मचारियों को दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता

मुंबई ।

फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मालिकाना हक रखने वाली कंपनी मेटा में जल्द ही छंटनी होने वाली है। दरअसल, मेटा इस साल अपने सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले 5 फीसदी कर्मचारियों को बाहर करने की योजना बना रही है। ताकि उनकी जगह नए कर्मचारियों को रखा जा सके। यह जानकारी आंतरिक मेमो के द्वारा कर्मचारियों को दी गई है। सितंबर तक मेटा में करीब 72 हजार लोग काम कर रहे थे। इसके बाद 5 फीसदी की कटौती से करीब 3,600 नौकरियों पर असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मार्क जुकरबर्ग ने पोस्ट में कहा, मैंने परफॉर्मेंस का पैमाना को ऊंचा करने और लो परफॉर्मर को तेजी से हटाने का फैसला लिया है.

जुकरबर्ग ने कहा, हम आमतौर पर उन लोगों को एक साल के दौरान बाहर कर देते हैं जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। लेकिन अब हम इस साइकिल में परफॉर्मेंस-बेस्ड कटौती को और व्यापक रूप से करने वाले है। अपने ताजा मेमो में जुकरबर्ग ने साफ किया कि परफॉर्मेंस-बेस्ड कटौती का मकसद मेटा के परफॉर्मेंस मैनेजमेंट प्रोसेस को तेज करना है और इन रोल को 2025 में फिर से भरा जाएगा।

बता दें कि साल 2022 से ही दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों में लगातार छंटनी चल रही है। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब मेटा ने नौकरियों में कटौती का ऐलान किया है। बता दें कि जुकरबर्ग ने साल 2023 को कंपनी का 'ईयर ऑफ एफिशिएंसी' घोषित किया था और तब मेटा ने 10 हजार कर्मचारियों को नौकरियों से निकलाने की घोषणा की थी। मेटा ने साल 2022 से लगभग 21 हजार नौकरियों में कटौती की थी।

जापान में नया फोल्डेबल फोन नूबिया फलीप 2 लॉन्च

नई दिल्ली ।

जापान में नूबिया ने अपना नया फोल्डेबल फोन नूबिया फलीप 2 पेश कर दिया है। नूबिया फलीप 2 का सबसे बड़ा बदलाव इसका कवर स्क्रीन है, जिसे गोल स्क्रीन से बदलकर अब रेक्टेंगुलर डिस्प्ले में बदल दिया गया है।

यह नया फोन पिछले मॉडल की तुलना में कई सुधारों के साथ आया है, जिससे यह उपयोगकर्ताओं के लिए और भी आकर्षक बन गया है। इसमें 3 इंच का डिस्प्ले है, जो 422गुणा682 पिक्सल के रिजॉल्यूशन के साथ आता है, जिससे यूजर्स को बिना फोन खोले ऐप्स और नोटिफिकेशन पर त्वरित एक्सेस मिलता है। इसमें 6.9 इंच का ओलेड पैनल है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और फुल एचडी प्लस रिजॉल्यूशन के साथ आता है। फोन में 4300 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो फास्ट चार्जिंग का समर्थन करती है। इसके अलावा, यह फोन आईपीएक्स 2 वॉटर रेजिस्टेंट और आईपी4एक्स डस्ट रेजिस्टेंट रेटिंग के साथ आता है, जिससे यह हल्के पानी और धूल से सुरक्षित रहता है।

यह फोन करीब 35,000 रुपये की कीमत में उपलब्ध है और यह ब्लैक, व्हाइट और ब्लू रंगों में उपलब्ध है। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है, जबकि ड्यूल कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और 2 मेगापिक्सल का

डेप्थ सेंसर है। नूबिया फलीप 2 में मीडियाटेक डाइमेंसिटी डी7300एक्स प्रोसेसर है, जिसे 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज के साथ जोड़ा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति ने गुकेश, हरमनप्रीत, मनु और प्रवीण को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को विश्व शतरंज चैंपियनशिप विजेता ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में श्रीमती मुर्मु ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कारों से सम्मानित किया। सबसे पहले शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके बाद ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

इसके अलावा राष्ट्रपति ने अन्नू रानी को एथलेटिक्स, स्वीटी को मुक्केबाजी, वंतिका अग्रवाल को शतरंज, सलीमा टेटे, अभिषेक संजय, जरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह को हॉकी में, राकेश कुमार को (पैरा-तीरंदाजी), प्रीति पाल (पैरा एथलेटिक्स)अजित सिंह, सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा एथलेटिक्स) और धर्मबीर (पैरा एथलेटिक्स), प्रणव सूरमा (पैरा एथलेटिक्स), एच होकातो सेमा (पैरा एथलेटिक्स), सिमरन (पैरा एथलेटिक्स), नवदीप (पैरा एथलेटिक्स),नितेश कुमार (पैरा बैडमिंटन) को, थुलासिमाती मुरुगेसन (पैरा बैडमिंटन), नित्या श्री सुमाथी सिवान (पैरा बैडमिंटन), मनीषा रामदास (पैरा बैडमिंटन), कपिल परमार (पैरा जूडो) और मोना अग्रवाल (पैरा निशानेबाजी) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया।

सुभाषा राणा (पैरा निशानेबाजी नियमित वर्ग), दीपाली देशपांडे (निशानेबाजी नियमित वर्ग), संदीप सांगवान (हॉकी नियमित वर्ग),एस मुरलीधरन (बैडमिंटन लाइफ्टाइम वर्ग) और अरमांडो एगनेलो कोलाको (फुटबॉल (लाइफ्टाइम वर्ग) के द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुचा सिंह (एथलेटिक्स) और मुरलीकांत राजाराम पेटकर (पैरा तैराक) को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये अर्जुन पुरस्कार (लाइफ्टाइम) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (विजेता), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (प्रथम उपविजेता), अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (द्वितीय उपविजेता) को मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पेशेवर मुक्केबाज बनने के बाद भी ओलंपिक को सबसे अहम मानने हैं निशांत

-लॉस एंजिलिस ओलंपिक में मुक्केबाजी शामिल रही तो उसमें खेलना चाहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुक्केबाज निशांत देव ने कहा है कि पेशेवर सर्किट में उतरने के बाद भी ओलंपिक में खेलना अब भी उनके लिए बेहद अहम है। ऐसे में अगर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अगर मुक्केबाजी को शामिल किया जाता है तो वह अवश्य ही उसमें भाग लेंगे। निशांत पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मिली करीबी हार और ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण पेशेवर मुक्केबाज बने हैं। इस मुक्केबाज ने एडी हर्न की 'मैचरूम बॉक्सिंग से करार किया है।

उनकी पहली पेशेवर भिड़ंत 25 जनवरी को लॉस एंजिलिस में होगी। निशांत आजकल लॉस एंजिलिस में पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स से प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस से कहा, 'मैं ओलंपिक में खेलने का अपना सपना पूरा करना चाहता था जो मैं कर चुका हूं। लेकिन अब मैं पेशेवर मुक्केबाजी में खेलने के अपने दूसरे सपने को पूरा करना चाहता हूं। देव को अब भी पेरिस ओलंपिक में मिली करीबी हार सालती है जिसमें वह मेक्सिको के मार्को वर्डे से विवादास्पद क्वार्टरफाइनल हार गये थे। उन्होंने कहा, 'मैं टूट गया था। इतने बड़े मंच पर इस तरह का झटका चुनौतीपूर्ण था। ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य की अनिश्चितता इस निराशा को और भी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, 'अभी तक मुक्केबाजी की ओलंपिक के लिए पुष्टि नहीं की गई है। मैं यह जानने के लिए तीन साल तक इंतजार नहीं करना चाहता कि यह ओलंपिक में शामिल नहीं है। इसलिए इस समय का उपयोग मेरे पेशेवर मुक्केबाजी के सपने को पूरा करने में किया जा सकता है। निशांत का कहना है कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में सभी मुख्य बेल्ट जीतकर विश्व चैम्पियन बनना चाहता हूं।

भारत की नजरें अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप बरकरार रखने पर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। विश्व स्तर पर अपना दबदबा बरकरार रखने की कोशिश में जुटे भारत के अगली पीढ़ी के क्रिकेटर शनिवार से यहां शुरू हो रहे आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप में उतरेंगे तो उनका लक्ष्य खिताब बरकरार रखने का होगा। भारत को ग्रुप ए में वेस्टइंडीज, श्रीलंका और मेजबान मलेशिया के साथ रखा गया है। भारतीय टीम रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। भारत ने 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ पहला विश्व कप जीता था जिसमें फाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से मात दी थी। पहले दिन पिछली बार सेमीफाइनल खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया का सामना ग्रुप डी में स्कॉटलैंड से होगा जबकि 2023 उपविजेता इंग्लैंड की टक्कर आयरलैंड से होगी। रविवार को होने वाले अन्य मैचों में समोआ का सामना ग्रुप सी में नाइजीरिया से, ग्रुप डी में बांग्लादेश का सामना नेपाल से, ग्रुप बी में पाकिस्तान का सामना अमेरिका से और ग्रुप सी में न्यूजीलैंड का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। टूर्नामेंट में 16 टीमों को चार चार के चार समूहों में बांटा गया है और हर ग्रुप से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी। वहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी और फाइनल दो फरवरी को होगा। भारत ने 2023 में शेफाली वर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका में यह टूर्नामेंट जीता था। उस टीम में टिटास साधू, श्वेता सेहरावत, पार्श्वी चोपड़ा और अर्चना देवी जैसे खिलाड़ी थे जो सीनियर स्तर पर खेल रहे हैं। इस साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए निकी प्रसाद की कप्तानी वाली टीम इस मौके को भुनाने की पूरी कोशिश करेगी। प्रमुख खिलाड़ियों में हैदराबाद की तृषा जी शामिल है जिन्होंने शीर्षक्रम में शानदार प्रदर्शन करके पिछले महीने अंडर 19 विश्व कप में भारत की जीत की नींव रखी थी। उनके अलावा टीम में स्पिनर पारूनिका सिसोदिया, सोनम यादव और आयुषी शुक्ला भी हैं।

भारतीय टीम : निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका छाल्के, जी तृषा, कमलिनी जी, भाविका अहिरे, ईश्वरी अवासरे, मिथिला विनोद, जोशिता वीजे, सोनम यादव, पारूनिका सिसोदिया, केसरी दृति, आयुषी शुक्ला, अनंदिता किशोर, एम डी शबनम, वैष्णवी एस,

अनुशासन भंग करने पर खिलाड़ियों पर लग सकता है प्रतिबंध : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम में 'अनुशासन, एकता और सकारात्मक माहौल' को बढ़ावा देने के लिए एक अभूतपूर्व क़दम उठाते हुए 10 बिंदुओं वाली नियामावली जारी करते हुए कहा कि इसका पालन नहीं वाले खिलाड़ियों का अनुबंध समाप्त कर उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और घरेलू क्रिकेट खेलने पर रोक लगा दी जाएगी।

'पोलिसी डॉक्यूमेंट फॉर टीम इंडिया' नामक यह नियमावली गुरुवार को खिलाड़ियों को भेज दी गई, इसे पिछले सप्ताह हुई समीक्षा बैठक की सलाह पर शामिल हैं। नियमावली में कहा गया है कि दौरे, मैच और अभ्यास के लिए खिलाड़ी अलग से यात्रा नहीं कर सकेंगे। बैठक में कहा गया कि कुछ खिलाड़ी मैच या अभ्यास के लिए टीम बस की जगह अपनी अलग से वाहन से यात्रा करते हैं, जिससे टीम का अनुशासन भंग होता है। इसके अलावा यह भी कहा गया कि कुछ खिलाड़ी अभ्यास सत्रों में ग्रुप के साथ समय नहीं बिता रहे हैं, जिससे टीम का माहौल खराब होता है। बीसीसीआई ने कहा है कि अगर किसी खिलाड़ी को किन्हीं विशेष परिस्थितियों में मैच या अभ्यास के लिए अलग से यात्रा करनी है तो उन्हें मुख्य कोच या मुख्य चयनकर्ता से पहले से अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा उन्हें किसी अभ्यास सत्र में पूरे समय तक रहना होगा, भले ही उनका अभ्यास पहले समाप्त हो जाये। विदेश दौरों पर भी खिलाड़ियों को परिवार के साथ अलग से यात्रा करने की बजाय टीम के साथ ही यात्रा करने का सुझाव दिया गया है, ताकि टीम में अनुशासन और संगठन को बल मिले। इसमें बताया गया है कि अगर कोई सीरीज या दौरा तय समय से पहले समाप्त होने पर भी खिलाड़ी अपने मन से अलग से यात्रा न करें, इससे टीम की एकता प्रभावित होती है। बीसीसीआई ने कहा है कि 45 दिनों या उससे अधिक के दौरे पर खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य - साथी और बच्चे (18 वर्ष तक) 14 दिनों से अधिक उनके साथ नहीं रह सकते हैं।

खिलाड़ी का परिवार केवल एक बार ही उसके साथ आ सकते हैं और उनकी यात्रा की व्यवस्था कोच, कप्तान और बीसीसीआई के संचालन महाप्रबंधक की मंजूरी के बाद संबंधित खिलाड़ी को करनी होगी। बीसीसीआई आगंतुकों की अवधि के लिए खिलाड़ी के साथ साझा आवास का खर्च उठाएगा। जारी दस्तावेज में कहा, 'अन्य सभी खर्च खिलाड़ी द्वारा वहन किए जाएंगे।' बीसीसीआई ने यह भी कहा कि परिवार के लिए पूर्व-अनुमोदित अवधि के बाहर अतिरिक्त लागत खिलाड़ी द्वारा वहन किया जायेगा।

गौरतलब है कि बीसीसीआई ने भारत के खराब प्रदर्शन का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठक बुलाई थी, जिसकी शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार से हुई, जहां भारत 3-0 से हारा था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 से हार हुई। समीक्षा बैठक में मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया मौजूद थे।

अक्षर को मिल सकती है दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी

मुम्बई । आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल को मिलना तय माना जा रहा है। आईपीएल 21 मार्च से शुरू होगा। गत वर्ष इसके लिए हुई नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स फेंचाइजी ने केएल राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। जिससे माना जा रहा था कि राहुल को कप्तानी मिल सकती है क्योंकि वह लखनऊ सुपर जायंट्स में भी कप्तान रहे थे। वहीं अब कहा जा रहा है कि दिल्ली की कप्तानी अक्षर पटेल को मिल सकती है। इसका कारण है कि अक्षर टीम के साथ काफी समय से हैं और कई बार ऑलराउंडर की भूमिका निभा चुके हैं। दिल्ली अक्षर को आईपीएल 2025 के लिए 16.50 करोड़ रुपये वेतन देगी। अक्षर टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी भी हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ के राहुल को खरीदा जबकि लखनऊ ने दिल्ली के ही ऋषभ पंत को सबसे बड़ी रकम देकर खरीदा था। ऋषभ भी दिल्ली के कप्तान थे। अक्षर ने आईपीएल में अभी तक कुल 150 मैच खेले हैं। उन्होंने इस दौरान 1653 रन बनाए हैं। अक्षर ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 123 विकेट लिए हैं।

रोहित के बचाव में उतरे युवराज

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खराब फार्म के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का बचाव किया है। युवराज ने कहा कि भले ही रोहित न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को जीत नहीं दिला पाये हैं पर उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। युवराज ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, रोहित की कप्तानी में ही टीम टी20 विश्व कप जीती और एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल तक पहुंची। रोहित की कप्तानी में ही मुंबई इंडियंस ने 5 आईपीएल जीते। उन्होंने किसी और को अवसर देने के लिए सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का फैसला किया था। पूर्व में किसी कप्तान ने ऐसा किया है क्या? मैं देखता हूं कि उन्होंने पिछले 3 से 5 सालों में क्या किया है, एक या दो टूर्नामेंट से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए, घरेलू सीरीज हार ज्यादा निराशाजनक थी क्योंकि भारत का न्यूजीलैंड से 3-0 से हारना ज्यादा कठिन था। रोहित की कप्तानी में ही टीम ने 2023 में हुए विश्व कप के दौरान लगातार 10 मैच जीते थे। उनके नेतृत्व में ही टीम ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023 के फाइनल में भी प्रवेश किया था पर उसे वहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। युवराज ने ये भी कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर को और समय दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कुछ समय पहले ही टीम के कोच बने हैं। अभी उन्हें पूरी तरह से प्रक्रिया में आने दिया जाये।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ईडन गार्डन्स में 3 दिवसीय शिविर लगाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले 3 दिवसीय शिविर लगा रही है। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा कि टीम 18 जनवरी को कोलकाता में एकत्रित होगी और ईडन गार्डन्स स्टेडियम में सीरीज का पहला मैच खेलने से पहले 3 दिन अभ्यास करेगी। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम इस प्रारूप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगी। यादव की अगुआई में भारत ने श्रीलंका, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीती हैं जिनमें से कुछ मैचों में कई रिकॉर्ड टूटे हैं।

संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण खोज रही है जिससे उन्हें इस स्थान पर अपनी ताकत बढ़ाने में मदद मिली है। 5 मैचों की सीरीज में अभिषेक शर्मा से लेकर नितीश कुमार रेड्डी तक भारतीय खिलाड़ियों

की नई पीढ़ी मौजूद है। भारत से घरेलू परिस्थितियों में इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी करने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के बेहद व्यस्त दौरे के बाद जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया था, जहां वह सीरीज के अंतिम टेस्ट मैच के बीच में चोटिल हो गए थे। चोटिल तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक साल से अधिक समय के बाद टीम में वापसी की है, जबकि संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल को ऋषभ पंत से आगे रखा गया है। इस बीच क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने दिग्गज महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी को विशेष श्रद्धांजलि देने की योजना बनाई है जिसके तहत प्रतिष्ठित स्टेडियम में उनके सम्मान में एक स्टैंड का नाम रखा जाएगा। यह श्रद्धांजलि मैच ब्रेक के दौरान दी जाएगी। मैच के दिन से पहले सीएबी जूनियर महिला बंगाल क्रिकेट टीम को भी सम्मानित करेगा जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज मुख्य अतिथि होंगी।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

बोपन्ना और झांग की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल के दूसरे दौर में पहुंची

मेलबर्न । भारत के रोहन बोपन्ना और चीन की शुआइ झांग की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल में इवान डोडिग और क्रिस्टिना म्लादेनोविच को 6.4, 6.4 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई। पुरूष युगल के पहले ही दौर से बाहर होने के बाद दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी बोपन्ना ने एक घंटे 12 मिनट तक चले इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। अब बोपन्ना और झांग का सामना अमेरिका के टेलर टाउनसेंड और मोनेगास्क के हुगो निस और ऑस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड धारक मेडिसन इंगलिस और जैसन कुबर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बोपन्ना 2023 में सानिया मिर्जा के साथ यहां फाइनल में पहुंचे थे। बोपन्ना 2024 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ खिताबी जीत के बाद युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे। वह 43 वर्ष की उम्र में खिताब जीतने के साथ यह कारनामा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने थे।

भारतीय टीम का बल्लेबाजी कोच बनना चाहते हैं पीटरसन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भारतीय क्रिकेट टीम का बल्लेबाजी कोच बनना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौर के बाद भारतीय बोर्ड को टीम इंडिया के लिए एक बल्लेबाजी कोच की जरूरत महसूस हुई है। इसी को देखते हुए पीटरसन ने टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच बनने में रुचि जताई है। भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्व कप जीतने के बाद ही बल्लेबाजी कोच के

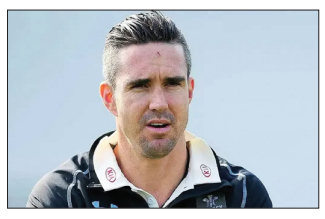

बिना खेल रही है। विश्वकप तक मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ के समय विक्रम राठौर मुख्य कोच थे। वहीं द्रविड़ के बाद जगह गौतम गंभीर मुख्य कोच बने। गंभीर के साथ अभिक नायर टीम इंडिया के सहायक कोच बने, जबकि द अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मौर्न मोर्कल गेंदबाजी कोच के रुप में जुड़े। टी दिलीप टीम इंडिया के फील्डिंग कोच बने हे, जबकि रेयान टेन डेशखाटे को टीम इंडिया का दूसरा असिस्टेंट कोच बनाया गया। गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम की बल्लेबाजी खराब रही है। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के नए बल्लेबाज कोच की तलाश को लेकर कई गई एक पोस्ट के जवाब में पीटरसन ने लिखा कि, भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल पर आधारित रहा है और अन्य बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में टीम को बल्लेबाजी कोच की जरुरत है जो बल्लेबाजों को सलाह देकर उनकी गलतियां सुधार सके।

2026 विश्व कप जीतना चाहते हैं हरमनप्रीत

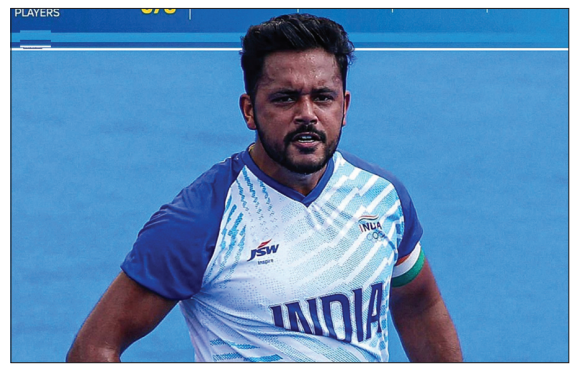

नई दिल्ली । भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

भारत के लिए खेलने का सपना अभी भी जिंदा है : करुण नायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = लंबे समय तक मैदान से दूर रहने और करीब तीन साल पहले सोशल मीडिया पर एक उदास पोस्ट के बाद करुण नायर ने क्रिकेट में सनसनीखेज वापसी की है। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतक बनाए और अब वह आठ साल बाद भारतीय जर्सी पहनने को लेकर आशावादी हैं। करुण ने विदर्भ के लिए 756 की शानदार औसत से 756 रन बनाए हैं, अब रनों के भूखे दिखते हैं, और वे उस निराश खिलाड़ी से बिल्कुल अलग हैं, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'प्रिय क्रिकेट, कृपया मुझे एक और मौका दें।'

क्या वह अवसर उनके पास तब आएगा जब चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय मैचों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की एकदिवसीय टीमों की घोषणा करेंगे? केवल समय ही बताएगा, लेकिन उनके पास 'सपने' देखने के अच्छे कारण हैं। करुण ने कहा, 'मेरा सपना हमेशा देश के लिए खेलना होता है। इसलिए, हां, सपना अभी भी जिंदा है। यही कारण है कि हम यह खेल खेलते हैं, अपने देश के लिए खेलना। इसलिए, मेरा एकमात्र लक्ष्य देश के लिए खेलना था।'

अपने करियर में कई बार बड़ी असफलताओं और करीबी हार का सामना करने वाले करुण बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरी तीसरी वापसी है (हंसते हुए)। और मुझे वही करना जारी रखना होगा जो मैं इस समय कर रहा हूं। मैं जितने भी मैच खेलता हूं, उसमें जब भी संभव हो रन बनाता रहूंगा। मैं यही कर सकता हूं। बाकी सब मेरे नियंत्रण में नहीं है। लेकिन जब तक यह (चयन) नहीं हो जाता, यह सिर्फ एक सपना है। यह अभी भी नहीं हुआ है। लेकिन फिर से, जैसा कि मैंने कहा, मैं एक बार में एक पारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा।' अपने रन बनाने के तरीके पर वापस आने के लिए उन्होंने अतीत से अलग क्या किया है? उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी अलग नहीं किया है। कोई रहस्य नहीं है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ सालों की कड़ी मेहनत और लगन का नतीजा है, आप जानते हैं, यह सब एक साथ मिलकर हुआ है। शायद आप कह सकते हैं, हर दिन को एक नए दिन की तरह लेना और यह सुनिश्चित करना कि मैं अपनी हर पारी का सम्मान करूं।' ऐसे भी दिन थे जब 33 वर्षीय खिलाड़ी अपने क्रिकेट भविष्य को लेकर आशंकित था, जब घरेलू मैचों और आईपीएल में रन पूरी तरह से खत्म हो गए थे। उन्होंने कहा, 'अगर मैं कहूं कि मुझे डर नहीं था तो मैं झूठ बोलूंगा। मुझे लगता है कि किसी के मन में भी ऐसी भावनाएं आ सकती हैं। लेकिन मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा करियर खत्म हो जाएगा। मुझे बस यह सोचना था कि यह कहां जा रहा है? मैं क्या कर रहा हूं? यह कैसे हुआ? आपको उस दौर से बाहर आने और यह समझने में थोड़ा समय लगता है कि क्या हो रहा है और फिर आपको क्या करना चाहिए। इसलिए, मैंने खुद से कहा कि मुझे फिर से शून्य से शुरुआत करने की जरूरत है। और खुद को कुछ साल दें और देखें कि यह कहां जाता है। और फिर मैं तय कर सकता हूं कि मुझे क्या करना है। तो, यही मेरी सोच थी।'

इस कठिन दौर ने उन्हें खुद के और अपने खेल के बारे में ज़्यादा जागरूक बना दिया। उन्होंने कहा, 'यह एक कठिन परिस्थिति थी। भावनात्मक रूप से, मानसिक रूप से। लेकिन हां, इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में और मेरे क्रिकेट के बारे में बहुत कुछ सिखाया। इसलिए मैं उन सीखों के लिए वास्तव में आभारी हूं। इसके बिना, मुझे नहीं लगता कि मैं इस समय इस स्थिति में होता।'

तुलसी की खेती

परिचय

तुलसी की ओसिमम प्रजाति को तेल उत्पादन के लिए उगाया जाता है। तुलसी की इस प्रजाति की भारत में बड़े पैमाने पर खेती होती है। उत्तर प्रदेश में बरेली, बादयूं, मुरादाबाद और सीतापुर जिलों में तथा बिहार के मुंगेर जिला में इसकी खेती की जाती है। इसका प्रयोग परफ्यूम व कास्मेटिक इंडस्ट्रीज में अधिक होता है। तूलसी की ओसीमस सेंक्टेम प्रजाति के सारभूत तेल की अधिक कीमत होती है, किन्तु तेल की मात्रा कम मिलती है।

तुलसी की विभिन्न प्रजातियां

भारत में तुलसी का पौधा धार्मिक एवं औषधीय महत्व का है। इसे हिंदी में तुलसी, संस्कृत में सुलभा, ग्राम्या, बहूभंजरी एवं अंग्रेजी में होली बेसिल के नाम से जाना जाता है। लेमिएसी कूल के इस पौधे की विश्व में 150 से ज्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसकी मूल प्रकृति एवं गुण एक समान हैं।

प्रमुख प्रजातियाँ निम्न प्रकार हैं

बेसिल तुलसी या फ्रेंच बेसिल

डाउनलोड करें किसान समाधान एंड्राइड एप्प और जाने अन्य व्यापारिक फसलों की जानकारी

स्वीट फेंच बेसिल या बोबई तुलसी

कर्पूर तुलसी
काली तुलसी
वन तुलसी या राम तुलसी
जंगली तुलसी
होली बेसिल

श्री तुलसी या श्यामा तुलसी

तुलसी अत्यधिक औषधीय उपयोग का पौधा है। जिसकी महत्ता पुरानी चिकित्सा पद्धति एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति दोनों में है। वर्त्तमान में इससे अनेकों खाँसी की दवाएँ साबुन, हेयर शैम्पू आदि बनाए जाते लगे हैं। जिससे तुलसी के उत्पाद की मांग काफी बढ़ गई है। अतः मांग की पूर्ति बिना खेती के संभव नहीं हैं।

मृदा व जलवायु

इसकी खेती, कम उपजाऊ जमीन जिसमें पानी की निकासी का उचित प्रबंध हो, अच्छी होती है बलूई दोमट जमीन इसके लिए बहुत उपयुक्त होती हैं। इसके लिए उष्ण कटिबंध एवं कटिबंधीय दोनों तरह जलवायु होती है।

भूमि की तैयारी

जमीन की तैयारी ठीक तरह से कर लेनी चाहिए। जमीन जों के दूसरे सप्ताह तक तैयार हो जानी चाहिए।

बुवाई / रोपाई

इसकी खेती बीज द्वारा होती है लेकिन खेती में बीज की बुवाई सीधे नहीं करनी चाहिए। पहले इसकी नर्सरी तैयार करनी चाहिए। बाद में उसकी रोपाई करनी चाहिए।

पौध तैयार करना

जमीन की 15 - 20 सेमी. गहरी खुदाई कर के खरपतवार आदि निकाल तैयार करा लेना चाहिए। 15 टन प्रति हे. की दर से गोबर की सड़ी खाद अच्छी तरह से मिला देना चाहिए। 1 मी. ङ्ग 1 मी. आकार की जमीन सतह से उभरी हुई क्यारियां बना कर उचित मात्र में कंपोस्ट एवं उर्वरक मिला दिन चाहिए। 750 ग्रा. - 1 किग्रा. बीज एक हेक्टयेर के लिए पर्याप्त होता है। बीज की बुवाई 1:10 के अनुपात में रेत या बालू मिला कर 8-10 सेमी. की दूरी पर पक्तियां में करनी चाहिए। बीज की गहराई अधिक नहीं होनी चाहिए। जमाव के 15-20 दिन बाद 20 कि./ हे. की दर से नेत्रजन डालना उपयोगी होता है। पांच- छह सप्ताह में पौध रोपाई हेतु तैयार हो जाती है।

रोपाई

सूखे मौसम में रोपाई हमेशा दोपहर के बाद करनी चाहिए। रोपाई के बाद खेत को सिंचाई तुरंत कर देनी चाहिए। बादल या हल्की वर्षा वाले दिन इसकी रोपाई के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं। इसकी रोपाई लाइन में लाइन 60 से. मी. तथा पौधे से पौधे 30 से. मी. की दूरी पर करनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

इसकी पहली निराई गुड़ाई रोपाई के एक माह बाद करनी चाहिए। दूसरी निराई - गुड़ाई पहली निराई के 3-4 सप्ताह बाद करनी चाहिए। बड़े क्षेत्रों में गुड़ाई ट्रैक्टर से की जा सकती है।

उर्वरक

इसके लिए 15 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद जमीन में डालना चाहिए। इसके अलावा 75-80 किग्रा. नेत्रजन 40-40 किग्रा. फास्फोरस व पोटाश की आवश्यता होती है। रोपाई के पहले एक तिहाई नेत्रजन तथा फस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा खेत में डालकर जमीन में मिला देने चाहिए। शेष नेत्रजन की मात्रा दो बार में खड़ी फसल में डालना चाहिए।

कटाई

जब पौधे में पूरी तरह से फूल आ जाए तथा नीचे के पत्ते पीले पड़ने लगे तो इसकी कटाई कर लेनी चाहिए। रोपाई के 10-12 सप्ताह के बाद यह कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

आसवन

तुलसी का तेल पूरे पौधे के आसवन से प्राप्त होता है। इसका आसवन, जल तथा वाष्प, आसवन, दोनों विधि से किया जा सकता है। लेकिन वाष्प आसवन सबसे ज्यादा उपयुक्त होता है। कटाई के बाद तुलसी के पौधे को 4-5 घंटे छोड़ देना चाहिए। इससे आसवन में सुविधा होती है।

आय - व्यय विवरण

प्रति हेक्टेयर व्यय - रू. 10,500
तेल का पैदावार - 85 किलो प्रति हेक्टेयर
टेल की कीमत - 450 - रूपया प्रति किलो - 8/5 ङ्ग 450 = 38,250
शुद्ध लाभ : रू. 38, 250 - 10,500 = 27,750

पैदावार

इसके फसल की औसत पैदावार 20 - 25 टन प्रति हेक्टेयर तथा तेल का पैदावार 80-100 किग्रा. हेक्टेयर तक होता है।

गुडमार औषधीय पौधे की खेती

गुडमार की खेती

विश्व में पाये जाने वाले अनेकों बहुमूल्य औषधीय पौधों में गुडमार एक बहुउपयोगी औषधीय पौधा है। यह एस्कलपिडेसी कुल का सदस्य है। इसका वानस्पतिक नाम जिमनिमा सिलवेस्ट्री है। गुडमार के पत्ते तथा जड़ औषधीय रूप में उपयोग किये जाते हैं।

वानस्पतिक विवरण

गुडमार बहुवर्षीय लता है। गुडमार की शाखाओं पर सूक्ष्म रोयें पाये जाते हैं। पत्ते अभिमुखी मृदूरोमेश अग्रभाग की तरफ नोकदार होते हैं। एस पर पीले रंग के गुच्छेनुमा फूल अगस्त - सितम्बर माह में खिलते हैं। गुडमार के फल लगभग 2 इंच लम्बे एवं कठोर होते हैं तथा बीज छोटे एवं काले - भूरे रंग के होते हैं।

भौगोलिक वितरण

यह भारत वर्ष के विभिन्न भागों जैसे - मध्य भारत, पशिचमी घाट, कोकण, त्रवनकोर क्षेत्र के वनों में पाया जाता हैं। गुडमार मध्य प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से काष्ठीय रोयेंदार लता के रूप में पाये जाने वाली वनस्पति हैं।

औषधीय उपयोग

गुडमार की पत्तियों का उपयोग मुख्यतः मधुमेह - नियंत्रण औषधीयों के निर्माण में किया जाता है। इसके सेवन से रक्तगत शर्करा की मात्रा कम हो जाती है, साथ ही पेशाब में शर्करा का आना स्वतः बंद हो जाता है। सर्पविष में गुडमार की जड़ को पीसकर या काढ़ा पिलाने से लाभ होता है। पत्ती या छाल का रस पेट के कीड़े मारने में उपयोग करते हैं। गुडमार यकृत को उत्तेजित करता है और अप्रत्यक्ष रूप से अग्नाशय की इन्सुलिन स्त्राव करने वाली ग्रंथियों की सहायता करता है। जड़ों का उपयोग खांसी, हृदय रोग, पुराने ज्वार, वात रोग तथा सफ़ेद दाग के उपचार हेतु किया जाता है।

रासायनिक संगठन

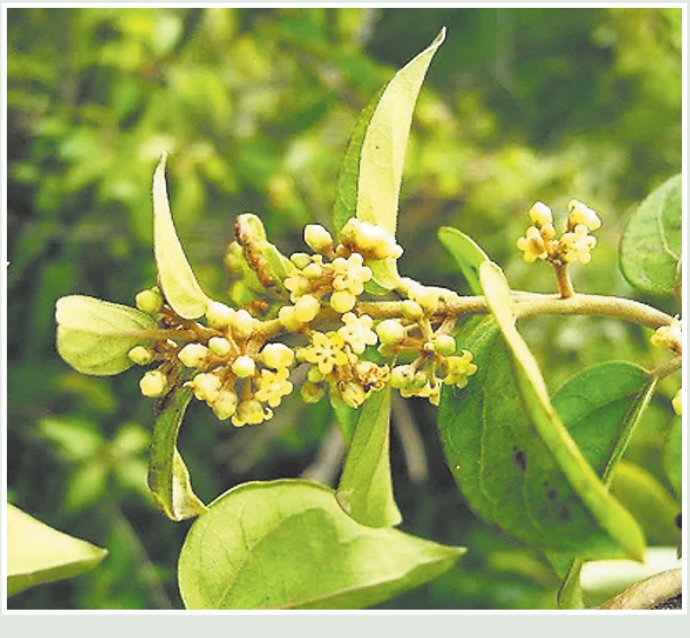

पत्तियों में जिम्नेमिक अम्ल, फ्वेरसियल, एन्थ्रान्वोनोन, जिम्नोसाइडस, सेपोनिन तथा कैल्सियम आक्जेलेट रसायन पाये जाते हैं।

भूमि

गुडमार की खेती के लिए उचित जल निकास वाली दोमट मिटटी अच्छी होती है। गर्मियों में दो बार आड़ी - खड़ी जुताई कर एवं पाटा चलाकर खेत तैयार कर लेना चाहिए। पाटा चलाकर मिटटी को भुरभुरी व समतल कर लेना चाहिए।

बीज

बीजों से खेती करने के लिए रोपनी में पौधा तैयार करना चाहिए। बीज बोने से पूर्व 3 ग्राम डायथेन एम 45 या बावेस्टीन नामक फफूंदनाशक से बीजों को उपचारित करना चाहिए। उपचारित बीजों को पहले से भरी पालीथीन की थैलियों में बो देना चाहिए। बीजों को बोने व रोपणी बनाने का सही समय अप्रैल - मई माह होता है। माह जुलाई - अगस्त तक पौधे खेत में रोपित करने योग हो जाते है।

कलम द्वारा पौध बनाकर

गुडमार की खेती पुराने पौधों की कलम से पौध बनाकर भी की जा सकती है। इसके लिए जनवरी - फ़रवरी माह उत्तम होता है। पालीथीन बैग में पौध तैयार कर जुलाई - अगस्त माह में खेत में रोपित किया जा सकता है। गुडमार एक बहुवर्षीय लता है। यह लगभग 20 - 30 वर्षों तक उपज देती रहती है।

रोपण

रोपण हेतु 1 म 1 मी. की दुरी पर तैयार किये गये गड्ढों में बारिश प्रारम्भ होने के पश्चात् जुलाई - अगस्त माह में रोपित कर दिए जाते हैं प्रति गड्ढा 5 किलोग्राम गोबर की पक्की खाद एवं 50 ग्राम नीम की खली डालनी चाहिए। गुडमार की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 10,000 पौधों की आवश्यकता होती है।

आरोहन व्यवस्था

गुडमार एक लता है। आरोहन व्यवस्था के लिए बांस, लोहे के एंगल एवं तारों का उपयोग करना चाहिए।

सिंचाई

गर्मी के समय 10 15 दिन तथा सर्दियों में 20 - 25 दिन के अंतराल में एक बार सिंचाई की जाय तो इसकी बढवार के लिए काफी अच्छा रहता है।

फसल सुरक्षा

कभी - कभी अधिक बारिश के कारण पौधों में पीलेपन की समस्या आती है। इसके लिए बोनी के समय 10 कि.ग्रा. फ़र्स सल्फेट का प्रयोग प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाना चाहिए।

फसल कटाई

गुडमार की खेती मुख्य रूप से इसकी पत्तियों के लिए की जाती है। रोपण के प्रथम वर्ष से ही पत्ते प्राप्त होना प्रारम्भ हो जाते हैं। समय बढ़ने के साथ - साथ इसकी लताए बढती रहती हैं तथा फसल की उपज भी बढती जाती है। गुडमार की फसल एक बार लगाने के बाद लगभग 20 - 25 वर्षों तक फसल देती रहती है। सिंचित अवस्था में दो बार पत्तों की तुडाई की जा सकती है।

पहली सितम्बर - अक्तूबर में तथा दूसरी अप्रैल - मई में 7 गुडमार की परिपक्क एवं चयनित पत्तियों को तोड़कर उन्हें छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। ग्रीष्म ऋतू में पौधों की परिपक फलियाँ एकत्र कर सुखाई जाती है। फलियों को एकत्र करते समय ध्यान रखना चाहिए की फलियाँ चटक न गई हो अन्यथा बीज उड़ जायेंगे, क्योंकि इनपर रुई लगी रहती है। एस प्रकार प्रति वर्ष पत्तियों को दो बार तुडाई करने पर तीसरे वर्ष से प्रत्येक पौधे से लगभग 5 कि.ग्रा. गीली पत्तियां अथवा एक किलोग्राम सुखी पत्तियां प्राप्त होती है। एक हेक्टेयर में लगभग 4 - 6 किवंटल सुखी पत्तियां प्राप्त होती है।

संग्रहण काल

माह दिसम्बर - जनवरी में गुडमार की पत्तियों को चुनकर एकत्र करना चाहिए एवं इनकी जड़ों को ग्रीष्म ऋतू में उखड़ना चाहिए।

विनाश विहीन विदोहन प्रक्रिया

माह दिसम्बर - जनवरी में इसके पत्तों को हाथ से चुनकर एकत्र करना चाहिए। पत्तियां एकत्र करने के लिए पौधे को नहीं काटना चाहिए।

कुल प्राप्तियां

गुडमार की खेती से किसान 25 से 30 हजार रु, प्रति हेक्टेयर आय अर्जित कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डल्लेवाल का वजन 20 किलो घटा

चंडीगढ़ । पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 53 दिन से आमरण अनशन पर बैठे हैं। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ के मुताबिक डल्लेवाल का वजन 20 किलो कम हो गया है। जब वे आमरण अनशन पर बैठे थे, तब उनका वजन 86 किलो 950 ग्राम था, जबकि अब यह घटकर 66 किलो 400 ग्राम रह गया है। वहीं, डल्लेवाल के समर्थन में खनौरी बॉर्डर पर 111 लोगों के आमरण अनशन को आज 3 दिन हो गए हैं। एक दिन पहले प्रशासन व पुलिस के अधिकारी डल्लेवाल से मिलने पहुंचे थे। डल्लेवाल की लेटेस्ट मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक किडनी और लिवर से संबंधित टेस्ट का रिजल्ट 1.75 है, जो सामान्य परिस्थितियों में 1 से भी कम होना चाहिए। किसान नेताओं ने बताया कि सरकार जानबूझकर सुप्रीम कोर्ट को उन टेस्ट के रिजल्ट बताती है, जिनमें गिरावट आने में ज्यादा समय लगता है।

कंगना की फिल्म इमरजेंसी का विरोध

अमृतसर। बॉलीवुड एक्टर एवं हिमाचल के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी शुक्रवार को रिलीज हो गई है। लेकिन पंजाब में सिख संगठन इसके विरोध में उतर आए हैं। अमृतसर, जालंधर, लुधियाना और मोहाली में थिएटर्स के बाहर सिख संगठनों के सदस्य काले झंडे लेकर विरोध कर रहे हैं। यहां पुलिस तैनात है। फिलहाल किसी भी थिएटर में फिल्म दिखाई नहीं जा रही है। सभी शो रोक दिए गए हैं। पीवीआर ग्रुप के 70 से 80 थिएटरों पर ये फिल्म दिखाई जानी थी विरोध के बाद इन थिएटरों पर फिल्म लगी ही नहीं।

चिराग के बयान से नीतीश को टेंशन, पीके के अनशन का किया समर्थन

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बीपीएससी के खिलाफ जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर के प्रदर्शन का समर्थन किया है। चिराग ने कहा है कि पीके ने क्या किया, वे क्या कह रहे हैं इसपर बिना टिप्पणी किए मैं कहूंगा कि मैं उनके अनशन के मुद्दे से सहमत हूं। बीपीएससी के छात्रों के साथ कोई अन्याय ना हो इसकी जिम्मेदारी बिहार की नीतीश सरकार की है। बीपीएससी के द्वारा जिस तरह से री एग्जामिनेशन कराए गए वे गलत है। आयोग के द्वारा जिस तरह से एक सेंटर के अभ्यर्थियों का री-एग्जामिनेशन कराया गया, वह गलत है। चिराग ने कहा कि दो परीक्षा से कहीं ना कहीं गलत लाभ मिलता है। यह गलत परंपरा की शुरुआत होगी। गठबंधन के अंदर भी मैंने नीतिश जी के सामने विषय को कई बार रखा है। किसी छात्र के साथ कोई अन्याय ना हो हमारी सरकार जरूर प्रयास करेगी। चिराग ने कहा कि सबसे पहले उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और जो दोषी हो उनपर कार्रवाई कर सभी अभ्यर्थियों का फिर से परीक्षा कराना चाहिए। वहीं केंद्रीय मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा हैं कि तेजस्वी को इसका डर है कि विनिंग कंडीशन के साथ एनडीए बिहार में आगे बढ़ रहा है। इसकी घबराहट मेरे छोटे भाई के मन में है। विधानसभा उप चुनाव जो कि सेमीफाइनल बताया गया। उस उपचुनाव में एनडीए को 100 प्रतिशत जीत मिली।

कुंभ पहुंचे राकेश टिकैत, लोगों को महाकुंभ में गुटखा खाने की आदत छोड़ देना चाहिए

प्रयागराज । संगमनगरी में 13 जनवरी से महाकुंभ का महापर्व शुरू हुआ है। जहां साधु-संत, कथावाचक, फिल्म अभिनेता और नेता के साथ देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालु पहुंचकर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत भी 4 दिनों के लिए महाकुंभ पहुंचे हैं। टिकैत ने गुटके का जिक्र करते हुए एक चिंता जाहिर की है। बता दें किसान नेता टिकैत ने गुटखा खाने वाले लोगों से परेशान हैं। उन्होंने कहा, लोगों को महाकुंभ में गुटके वाली बुराई को छोड़ देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कुंभ की बेहतरह व्यवस्थाओं को लेकर सीएम योगी की दिल खोलकर तारीफ भी की। साथ ही कहा कि मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इतना ही नहीं टिकैत ने बताया कि शनिवार को महाकुंभ क्षेत्र में किसानों की महापंचायत होगी। जहां कुछ फैसले लिए जाएंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार की टक्कर

दौसा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार दोपहर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार नीलगाय से टकरा गई। घटना में दिल्ली पुलिस की एस्कॉर्ट कार क्षतिग्रस्त हुई, हालांकि फारूक पूरी तरह सुरक्षित रहे। दरअसल फारूक अजमेर दरगाह की जियारत के लिए जा रहे थे। काफिले में शामिल पांच कारों में से, उनके पीछे चल रही दिल्ली पुलिस की गाड़ी नीलगाय से भिड़ गई। टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी के दोनों एयरबैग खुल गए और कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ। पुलिस के मुताबिक, हादसे में किसी को चोट नहीं आई। दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को दौसा सदर थाने में खड़ा किया गया है। कार में सवार ड्राइवर और हेड कॉन्स्टेबल पप्पूराम मीणा को दौसा में ही रुकना पड़ा, जबकि अन्य पुलिसकर्मी काफिले की अन्य गाड़ियों में सवार होकर अजमेर के लिए रवाना हो गए। गौरतलब है कि फारूक अब्दुल्ला, राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के पूर्व ससुर हैं। हालांकि, पायलट और फारूक अब्दुल्ला की बेटी सारा का तलाक हो चुका है।

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

दिल्ली में फिलहाल लागू नहीं होगी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था। इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सूची की 1,2 और 18 एंट्री के तहत केंद्र की शक्तियां सीमित हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया है। सिंघवी ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार के साथ समझौते के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। गौरतलब है कि दिल्ली में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना लागू नहीं है। साल 2017 में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बेड और वेंटीलेटर्स की उपलब्धता पर चिंता जाहिर की थी। साथ ही याचिका में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को दिल्ली में भी लागू कराने की मांग की गई थी। ऐसे में उच्च न्यायालय ने योजना को पूरी तरह से लागू करने की बजाय केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समझौता करने का आदेश दिया था।

अपने बयान पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने माफी मांगी

नई दिल्ली । ऋतुराज झा के उपनाम के साथ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने माफी मांग ली है। भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि वे बिना कोई तर्क वितर्क किए हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। वे पूर्वांचली समाज का बहुत सम्मान करते हैं। पूनावाला ने अपने एक्स हैंडल पर माफीनामे वाला वीडियो शेयर किया। पूनावाला ने कहा,

जय श्री राम, नमस्कार। मैं सभी पूर्वांचली भाइयों से हाथ जोड़कर माफी मांगना चाहता हूं। मेरे शब्दों से आपको दुख हुआ, आपको पीड़ा पहुंची। मैं कोई भी तर्क नहीं देना चाहता हूं। आपके साथ मेरा बहुत गहरा रिश्ता है। प्यार, सम्मान, स्नेह का रिश्ता है। मैं यूपी बिहार के लोगों को खासकर जो हमारे मेहनतकश हैं उन्हें बहुत सम्मान देता हूं। यह मेरे चरित्र और जिंदगी से बहुत स्पष्ट है। फिर भी मेरे शब्दों से चोट पहुंची है। मैं उन शब्दों के लिए बहुत-बहुत क्षमा मांगता हूं। दरअसल डिबेट शो के दौरान शहजाद और ऋतुराज झा के बीच तीखी बहस हो गई थी। बहस के दौरान झा ने पहले शहजाद को दो बार 'चूनावाला' कहकर संबोधित किया। इसके बाद गुस्साए पूनावाला ने झा के उपनाम को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। आप ने बयान को पूर्वांचल के लोगों का अपमान बताते हुए बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की।

संगम में डुबकी लगाने आ रहे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

-साधु-संतों से मिलकर उनका आशीर्वाद भी लेंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी हिस्सा लेने पहुंचे रहे हैं। दोनों नेता कांग्रेस के सेवा दल के शिविर में पहुंचने वाले है। सेवादल से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन वे संगम में स्नान करने और साधु-संतों से मिलकर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त करने वाले है। महाकुंभ का शुक्रवार को पांचवां दिन है और इस दौरान 30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई। अब तक कुल 7 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को संगम पहुंचने वाले और 29 जनवरी को होने वाली मौनी अमावस्या की तैयारियों का जायजा लेने वाले है। यह तिथि महाकुंभ में विशेष महत्व रखती है और लाखों श्रद्धालु इस दिन संगम में स्नान करने वाले है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने महाकुंभ को लेकर योगी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सरकार के सभी आंकड़े फर्जी हैं और कुछ ट्रेनें खाली जा रही हैं। इसके जवाब में भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अखिलेश के बयान का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दुनियाभर में लोकप्रिय है और लोग केवल भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी यहां आ रहे हैं।

दिल्ली में घने कोहरे की चादर; अगले हफ्ते फिर बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में शुक्रवार सुबह घने कोहरे की चादर ने वाहन चालकों को परेशानी में डाल दिया है। दिल्ली समेत आस-पास के क्षेत्रों का मौसम लगातार बदल रहा है। इससे पहले बुधवार की रातभर हुई बारिश के बाद गुरुवार को दोपहर में धूप खिल गई थी, जिससे लोगों ने ठंड से राहत महसूस की। गुरुवार को कोहरे से राहत रही, लेकिन शुक्रवार को घने कोहरे ने सभी को हैरान कर दिया।

गौरतलब है कि बारिश का दौर बुधवार रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक जारी रहा, जिससे न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक 10.3 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री रहा। बारिश ने गुरुवार को कोहरे से राहत दी, लेकिन शुक्रवार को घने कोहरे ने फिर चौंकाया है। मौसम विभाग के अनुसार 21 और 22 जनवरी को फिर से बारिश की संभावना है। सफदरजंग, पालम, लोदी रोड, और नोएडा समेत विभिन्न इलाकों में बारिश दर्ज की गई, जिसमें पालम में 10.1 मिमी और रिज में 9.7 मिमी बारिश सबसे अधिक रही।

कोहरे और ठंड को लेकर अलर्ट जारी

शुक्रवार को अधिकांश इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी मौसम विभाग ने दी। अधिकतम तापमान 19 और न्यूनतम 8 डिग्री रहने की संभावना व्यक्त की गई है। शुक्रवार को कोहरा छाया हुआ है, ऐसे में 18 और 19 जनवरी को भी घने कोहरे का असर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने 17-19 जनवरी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

प्रदूषण में सुधार

बारिश के चलते प्रदूषण स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। इसके चलते जीआरएपी-4 की पाबंदियां हटा ली गई हैं, हालांकि ग्रेप-3 के तहत प्रतिबंध अभी लागू रहेंगे। स्कूलों में हाइब्रिड मोड और निर्माण कार्यों पर रोक जारी रहेगी।

स्काईमेट के अनुसार, अगले सप्ताह हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम का यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का नतीजा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री नकवी की अखिलेश का सलाह, गंगा जी में डुबकी लगाएं..भीतर की नकारात्मकता खत्म हो जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को एक सलाह दी है। नकवी के मुताबिक सपा प्रमुख को भी महाकुंभ में जाकर गंगा जी में डुबकी लगानी चाहिए ताकि उनके भीतर की नकारात्मकता खत्म हो जाए। नकवी ने कहा, अखिलेश के ये बयान उनकी बौखलाहट दिखा रहे है। अखिलेश का कहना कि महाकुंभ में लोग नहीं पहुंच रहे हैं, वह गलत है। महाकुंभ में बड़े पैमाने पर लोग पहुंच रहे हैं। जो लोग महाकुंभ पर सवाल खड़े कर रहे हैं, ये वे लोग हैं जो हर काम के रंग में भंग डालने की कोशिश करते हैं। आज आस्था के सबसे बड़े पर्व कुंभ का पर्व मनाया जा रहा है। स्वच्छता और सुरक्षा के साथ यह पूरी सुविधाओं से भरपूर है।

भाजपा नेता नकवी ने कहा, इतना बड़ा आयोजन दुनिया के किसी भी क्षेत्र में, चाहे धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक दृष्टि से, देखने को नहीं मिलेगा। करोड़ों लोग कुंभ में

सुरक्षित पहुंचे और यहां की स्वच्छता की दिल खोलकर तारीफ कर रहे हैं। इतना ही नहीं करोड़ों लोग इसमें भागीदारी कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं। मेरी उन सभी लोगों से अपील है कि वे महाकुंभ में जाकर डुबकी लगाएं, जिससे उनके मन में भरी नकारात्मकता खत्म होगी।

अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने पर नकवी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, ममता ऐसा दावा करेंगी, अगर बात निकलेगी तो बहुत दूर तक जाएगी। जहां तक मुंबई की बात है, वहां पर जांच एजेंसी और पुलिस काम कर रही है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।

विवादास्पद बयान देने वाले जस्टिस शेखर कॉलेजियम के सामने हुए पेश

कहा-वह अपनी बात पर कायम, किसी समुदाय के खिलाफ घृणा पैदा करना उद्देश्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव अपने विवादास्पद बयान को लेकर फिर चर्चा में हैं। विश्व हिंदू परिषद के कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर तीखी टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद उन्हें चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम के समक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी थी। कॉलेजियम ने मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भांसाली से रिपोर्ट मांगी थी।

जस्टिस यादव ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर अपने बयान पर सफाई दी और कहा कि वह अपनी टिप्पणियों पर कायम हैं। उन्होंने लिखा कि उनका बयान संविधान में निहित मूल्यों के अनुरूप था और किसी भी समुदाय के खिलाफ घृणा पैदा करने का उद्देश्य नहीं रखता। जस्टिस यादव ने

अपने पत्र में यह भी कहा कि न्यायपालिका के सदस्यों को, जो सार्वजनिक रूप से खुद का बचाव करने में असमर्थ हैं, वरिष्ठों द्वारा समर्थन और संरक्षण की जरुरत होती है।

उन्होंने साफ कहा कि उनकी टिप्पणी न्यायिक आचरण के किसी भी सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करती है। 8 दिसंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने समान नागरिक संहिता पर बोलते हुए कहा था कि हिंदू समाज ने अपनी प्रथाओं में सुधार लाने का साहस दिखाया है। उन्होंने सती प्रथा, छुआछूत, जौहर, और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को खत्म करने का उदाहरण दिया। इसके विपरीत, उन्होंने मुस्लिम समाज से सवाल किया कि वे अपने पर्सनल लॉ में सुधार क्यों नहीं कर रहे हैं। जस्टिस यादव ने कहा कि आपको यह गलतफहमी है कि समान नागरिक संहिता आपके शरीयत, इस्लाम या कुरान के खिलाफ है। मुस्लिम समाज को भी बहुविवाह और तीन तलाक जैसी प्रथाओं को खत्म करना चाहिए। जस्टिस यादव के इस बयान पर देशभर में बहस छिड़ गई है। जहां कुछ लोगों ने इसे समाज सुधार की दिशा में बताया है, इस मामले में आगे कॉलेजियम क्या कदम उठाएगा, इस पर सबकी नजरें हैं।

दिल्ली चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ाने रेस्तरां में लोगों को खाने पर मिलेगी छूट

-मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही का निशान दिखाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देजनर मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए नगर निगम भी लोगों को लुभाने का प्रयास कर रहा है। इसके तहत निगम जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही मतदान करने वालों को खाने के लिए रेस्तरां में छूट देने की घोषणा की है। निगम के दक्षिणी जोन ने होटल व रेस्तरां संचालकों से समन्वय करके मतदान करने के बाद 5 से 9 फरवरी तक 25 फीसदी की छूट देने की घोषणा की है।

दक्षिणी जोन के निगम उपायुक्त ने बताया कि जोन के क्षेत्राधिकार में आने वाले डीएलएफ साकेत मॉल, सेलेक्ट सिटी वाक मॉल, पीवीआर अनुपम साकेत के साथ ही अरविंदों मार्ग, मालवीय नगर मार्केट, डीएलएफ वंसत कुंज मॉल, जीके, ग्रीन पार्क की विभिन्न मार्केट की दुकानों पर खाने पर 25 फीसदी की छूट दी जाएगी। निगम उपायुक्त के मुताबिक इसके लिए नागरिकों को मतदान करने के बाद अंगुली पर मतदान की स्याही का निशान दिखाना होगा।

उन्होंने बताया कि अभी मतदान जागरूकता अभियान के तहत छूट देने के लिए 47 रेस्तरां को जोड़ा गया है। आगे भी जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन में अब दो ही दिन बाकी हैं। ऐसे में नामांकन की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। बुधवार को सर्वाधिक नामांकन दाखिल किए गए। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, नई दिल्ली क्षेत्र से उनके प्रतिद्वंदी बीजेपी प्रत्याशी प्रवेश वर्मा, कालकाजी से बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी, समयपुर बादली से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और रोहिणी से बीजेपी उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता सहित कई चर्चित प्रत्याशियों ने बुधवार को पर्चा दाखिल किया था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक बुधवार को कुल 256 नामांकन दाखिल किए गए। इसके साथ ही 235 उम्मीदवार अब तक कुल 341 नामांकन दाखिल कर चुके हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता इस बार भी काम की राजनीति को ही चुनेगी। आम आदमी पार्टी से पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन, कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन और गोपाल राय के साथ साथ सुरेंद्र सिंह बिट्टू व सहीराम पहलवान ने तुगलकाबाद से नामांकन दाखिल किया। बीजेपी के कुल 32 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल-हमास समझौते पर लोगों में खुशी, सड़कों पर बजाए ढोल, अब बंधकों की रिहाई का इंतजार

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को लेकर बनी सहमति पर लोगों ने खुशी जाहिर की। समझौते के बाद इस्राइल के तेल अवीव में सड़कों पर भीड़ नजर आई। लोगों ने कैंडल जलाकर और गीत गाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने कहा कि समझौते के बाद काफी राहत मिलेगी। इस दौरान लोगों ने बंधकों के बैनर पकड़कर ढोल बजाए और नारे भी लगाए। अब लोगों को बंधकों की रिहाई का इंतजार है। इस्राइली बंधकों और फलस्तीनी बंदियों की होगी रिहाई समझौते के तहत हमास और उससे जुड़े संगठन सात अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमलों के बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करेंगे। इसके बाद इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। यह समझौता गाजा के लोगों के लिए एक साल से अधिक समय में पहली बार संघर्ष से राहत देगा और इस्राइल के हमलों के हमलों की शुरुआत के बाद से यह दूसरी बार होगा जब गाजा में युद्धविराम होगा। इस समझौते के तहत फलस्तीनी नागरिकों को गाजा के उत्तरी हिस्से में लौटने की अनुमति मिलेगी और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाई जाएगी, जहां के निवासी लंबे समय से भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। इस्राइल के प्रधानमंत्री ने समझौते के बाद ट्रंप और बाइडन का धन्यवाद किया। पीएम कार्यालय ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे सभी बंधकों को वापस लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अमेरिका के आने वाले राष्ट्रपति की इस टिप्पणी की सराहना की, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका इस्राइल के साथ मिलकर काम करेगा ताकि गाजा कभी भी आतंकवादियों का ठिकाना न बने।

जो बाइडेन ने महामारी के दौरान राजनीति को किनारे रखकर सही काम करे : बराक ओबामा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राजनीति में 50 से अधिक वर्षों के लंबे करियर को समाप्त करते हुए देश को संबोधित करते हुए अपना विदाई भाषण दिया। इसके बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कोरोना महामारी के समय जो बाइडेन के द्वारा किए गए कार्यों की तारीफ की। बराक ओबामा ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, चार साल पहले महामारी के बीच में, हमें एक ऐसे नेता की जरूरत थी जो राजनीति को किनारे रखकर सही काम करे। जो बाइडेन ने यही किया। ऐसे समय में जब हमारी अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी, उन्होंने 1.7 करोड़ नई नौकरियों, ऐतिहासिक वेतन वृद्धि और कम स्वास्थ्य देखभाल लागत के साथ दुनिया की सबसे मजबूत रिकवरी को आगे बढ़ाया। बराक ओबामा ने आगे कहा, उन्होंने हमारे देश के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए ऐतिहासिक कानून पारित किया। मैं जो बाइडेन के नेतृत्व, उनकी मित्रता और इस देश के प्रति उनकी आजीवन सेवा के लिए आभारी हूं। बता दें कि जो बाइडेन ने बुधवार को अपने विदाई भाषण में देश को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने गाजा में शांति का समझौता करा दिया है। उनके प्रशासन ने आठ महीने की लगातार वार्ता के बाद, हमास और इजरायल में युद्धविराम और बंधक समझौते को कराया। उन्होंने देश के लोगों से डोनाल्ड ट्रंप के तहत भविष्य में कुलीन वर्गों, दुष्प्रचार और एआई के खतरों के खिलाफ खड़े रहने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को महामारी से उत्पन्न गहरे संकट से बाहर निकालने में अपनी उपलब्धियों का जिक्र किया।

यूके में भारतवंशी नर्स पर हमला

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम ब्रिटेन के ग्रेटर मैनचेस्टर स्थित रॉयल ओल्डहैम अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक नर्स पर कैंची से हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। वह अस्पताल की आपात चिकित्सा इकाई में रात्रि पाली में ड्यूटी कर रही थीं। मैनचेस्टर मैजिस्ट्रेट अदालत में नर्स का नाम अचम्मा चेरियन बताया गया। उन पर शनिवार रात हमला किया गया था। आरोपी रूमन हक (37) को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमले की वजह फिलहाल नहीं बताई गई है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा कि रूमन पर मंगलवार को हत्या का प्रयास और ब्लेड वाली वस्तु रखने का आरोप लगाया गया। उसे अगले महीने मैनचेस्टर क्राउन अदालत में पेश करने के लिए हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पीड़िता 50 साल की हैं और उन्हें हमले में गंभीर चोट आई हैं। उनका इलाज चल रहा है।

बांग्लादेश में पूर्व सेना प्रमुख समेत 18 को 12 साल की कैद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की विशेष अदालत ने बुधवार को पूर्व सेना प्रमुख हारुनुर रशीद और 18 अन्य लोगों को गबन और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 12 साल कैद की सजा सुनाई और 4,500 करोड़ टका से अधिक का जुर्माना भी लगाया। रशीद बांग्लादेश के सम्मानित अफसर रहे हैं। जज मोहम्मद रबीउल आलम ने सभी पर एक साथ 4,515.57 करोड़ टका का जुर्माना लगाया, जो गबन की राशि से दोगुनी है। सेना से सेवानिवृत्त होने के कई साल बाद राशिद को डेस्टिनी समूह ने निदेशक के तौर पर भर्ती किया था।

बाइडेन का विदाई भाषण: कहा- कुछ वादे अधूरे रहे, कानून में बदलाव जरूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार देर रात ओवल ऑफिस अपना विदाई भाषण दिया। बाइडेन ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि देश में अमीरों के एक छोटे वर्ग का वर्चस्व बढ़ रहा है। इससे देश और लोकतंत्र को खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने देश में टेक-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स के उभार पर चिंता जताई। बाइडेन ने इसे अमेरिकी नागरिकों के अधिकारों को खतरा बताया। अपने कार्यकाल पर बात करते हुए उन्होंने कहा- हमने जो कुछ भी किया है, उसका असर दिखने में समय लगेगा, लेकिन बीज बो दिए गए हैं, वे बढ़ेंगे और आने वाले दशकों तक खिलेंगे। बुधवार सुबह बाइडेन ने एक लेटर भी जारी किया था। इसमें उन्होंने वादे अधूरे रहने की बात स्वीकार की थी। बाइडेन का यह भाषण ट्रम्प के पद संभालने से ठीक 5 दिन पहले हुआ। ओवल ऑफिस में दिए अपने आखिरी भाषण में उन्होंने अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया में सिर्फ अमेरिका में ही ऐसा हो सकता है, जहां एक हकलाने वाला बच्चा राष्ट्रपति बन जाए।

अमेरिका में फेक न्यूज का जाल फैला है : बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लोगों पर फेक न्यूज का जाल फैला दिया गया है, और इसके जरिए सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। हमें संविधान में संशोधन करने की जरूरत है,

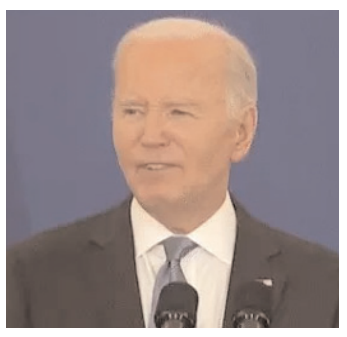

जिससे तय हो सके कि कोई भी इंसान राष्ट्रपति पद रहते हुए अपने अपराधों से मुक्त नहीं है। उन्होंने कहा- कुछ शक्तिशाली ताकतें अपनी पावर का इस्तेमाल कर क्लाइमेंट चेंज के निपटने के लिए हमारे उठाए गए कदमों को खत्म करना चाहती हैं, जिससे वो अपने फायदे के लिए सत्ता का इस्तेमाल कर सकें। हमें अपने और अपने बच्चों के भविष्य की बलि चढ़ाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जजों के कार्यकाल तय करने, नैतिक सुधार करने और कांग्रेस सदस्यों के स्टॉक ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

विदेश नीति पर पहले दे चुके हैं भाषण : बाइडेन ने सोमवार को राजधानी वॉशिंगटन में विदेश नीति पर अपना आखिरी भाषण दिया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि चीन कभी अमेरिका से आगे नहीं निकल पाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान में युद्ध खत्म करने के फैसले को सही ठहराया था। बाइडेन को कैसे याद रखेगी दुनिया डिबेट के बाद रेस से बाहर होने वाले पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने जुलाई में खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर कर लिया था। दरअसल, 27 जून को हुई पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन को ट्रम्प के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हार के बाद से ही डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडेन की उम्मीदवारी को लेकर सवाल खड़े करने लगे थे। ट्रम्प पर हमले के बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई, जिसके बाद बाइडेन को अपनी दावेदारी छोड़नी पड़ी। सबसे ज्यादा उम्र के अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति बनने वाले सबसे ज्यादा उम्र के शख्स बने। जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तब उनकी उम्र 78 साल 220 दिन थी। ट्रम्प जब दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, तब उनकी उम्र 78 साल 61 दिन है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते। ऐसे में कुछ सालों तक बाइडेन का रिकॉर्ड कायम रहेगा। अमेरिकी इतिहास की सबसे लंबी जंग रोकी बाइडेन के दौर में ही अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी हुई। अमेरिकी सेना 20 साल से अफगानिस्तान में थी। इसे अमेरिका इतिहास की सबसे लंबी जंग कहा जाता है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर दोबारा कब्जा कर लिया। रूस से लड़ने में यूक्रेन की मदद की बाइडेन ने रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन की मदद की। अमेरिका ने यूक्रेन को आर्टिलरी, रॉकेट सिस्टम, ड्रोन, टैंक और एयर डिफेंस सिस्टम दिया। इसके अलावा लंबी दूरी के मिसाइलों का इस्तेमाल करने की भी छूट दी।यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने के लिए अमेरिकी डिफेंस एक्सपर्ट्स को भी भेजा गया। बाइडेन ने न सिर्फ यूक्रेन को अरबों डॉलर की आर्थिक मदद पहुंचाई। बल्कि अंतरराष्ट्रीय समर्थन भी जुटाया। इसके अलावा अमेरिका ने रूस पर कड़े प्रतिबंध भी लगाए, जिससे रूस की आर्थिक हालत पर असर पड़ा।

गाजा में हजारों मौत के बाद भी इजराइल का साथ दिया : अमेरिका ने गाजा जंग शुरू होने के बाद एक साल में इजराइल को 18 अरब डॉलर (1.5 लाख करोड़) की सैन्य मदद इजराइल को दी। इसकी मदद ही से इजराइल ने ईरान, हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों का मुकाबला किया। गाजा में 45 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने के बाद भी अमेरिका इजराइल के समर्थन में खड़ा रहा जिससे अंतराष्ट्रीय स्तर पर इजराइली सेना पर जंग खत्म करने का दबाव नाकाफी साबित हुआ।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार केस में बरी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और BNP नेता खालिदा जिया की भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए खालिदा की 10 साल सजा को खारिज कर दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में जेल से रिहा किया गया था। 79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। चीफ जस्टिस डॉ. सैयद रैफात की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने फैसले के पीछे खालिदा और बाकी लोगों पर बदले की मंशा से कार्रवाई करने का हवाला दिया। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक खालिदा जिया के अलावा, BNP के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और बाकी लोगों को भी रिहा कर दिया गया है। इन सभी को जिया अनाथालय ट्रस्ट घोटाले से जुड़े मामले में दोषी बनाया गया था।

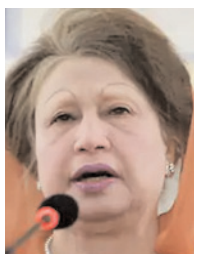

2018 में 10 साल की सजा मिली : खालिदा जिया को 8 फरवरी 2018 को ढाका की स्पेशल कोर्ट ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी पैसे का गबन करने के आरोप में 5 साल की सुनाई थी। खालिदा के बेटे तारिक और अन्य 5 आरोपियों को भी 10 साल कठोर कारावास की सजा दी गई थी। इन पर 2.1 करोड़ बांग्लादेशी टका का जुर्माना भी लगा था। तारिक और अन्य 2 आरोपी फरार हो गए थे। जिया ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इस पर कोर्ट ने 30 अक्टूबर 2018 को सुनवाई करते हुए सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। इसके बाद खालिदा ने सजा के खिलाफ लीव-टू-अपील यानी सीधे सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने की अपील की थी। 5 साल तक कानूनी प्रक्रियाओं के चलते इसमें देरी होती रही।

इलाज के लिए लंदन में हैं खालिदा : खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। इस महीने की शुरुआत में 7 जनवरी को वे इलाज के लिए लंदन गई हैं। उन्हें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी। हसीना को लिवर सिरोसिस, हार्ट डिजीज और किडनी की बीमारी है। खालिदा जिया दो बार 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं।

अफगानिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, आफ्टरशॉक की आशंका

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गई. फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार अफगानिस्तान में गुरुवार को रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता का भूकंप आया. अचानक से धरती से हिलने के बाद लोग घबरा गए. हालांकि, भूकंप यहां के लोगों के लिए कोई नई बात नहीं है. इस आपदा से यहां के लोग अभ्यस्त हो चुके है. यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं. मंगलवार को भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. भूकंप का केंद्र 180 किमी की गहराई पर था. यह भूकंप बुधवार को आए रिक्टर पैमाने पर 4 तीव्रता वाले भूकंप का आफ्टरशॉक था. अब फिर से यहां आफ्टरशॉक की आशंका है. इससे पहले मंगलवार को अफगानिस्तान के पड़ोसी देश ताजिकिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया. भूकंप 28 किमी की गहराई में था. रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में शक्तिशाली भूकंपों का इतिहास रहा है. हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है जहां हर साल भूकंप आते हैं. अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच कई फॉल्ट लाइनों पर स्थित है. इसमें एक फॉल्ट लाइन सीधे शहर हेरात से होकर गुजरती है।

इजराइल-हमास में 19 जनवरी से सीजफायर शुरू होगा:बाइडेन और ट्रम्प में क्रेडिट लेने की होड़

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-हमास के बीच गाजा में पिछले 15 महीनों से जारी जंग रविवार, 19 जनवरी को थम जाएगी। इसके लिए दोनों में सीजफायर और बंधकों की रिहाई से जुड़ी डील फाइनल हो गई है। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल-थानी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सीजफायर के लिए पिछले कई हफ्तों से कतर की राजधानी दोहा में बातचीत चल रही थी। इस बातचीत में मिस्र और अमेरिका भी शामिल थे। डील के मुताबिक हमास अपनी कैद में मौजूद इजराइली बंधकों के रिहा करेगा। बदले में इजराइल भी हमास के लोगों को छोड़ेगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक कतर पीएम थानी ने हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों से बुधवार को मुलाकात की, जिसके बाद ये डील पूरी हुई। डील को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प में क्रेडिट की होड शुरू हो गई है। दूसरी तरफ गाजा में अभी भी इजराइली हमले जारी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को इजराइली हमले में 5 लोगों की मौत हुई है।

बाइडेन और ट्रम्प में क्रेडिट वॉर : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को सीजफायर का क्रेडिट लेने का दावा किया। व्हाइट हाउस ने इस डील में ट्रम्प के प्रतिनिधि को भी शामिल किया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ये ऐतिहासिक समझौता, राष्ट्रपति

चुनाव में हमारी जीत की वजह से हो पाया। ट्रम्प ने कहा कि ये डील मेरे प्रशासन की शांति स्थापित करने और अमेरिका व उसके सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास का सबूत है। वहीं बाइडेन ने व्हाइट हाउस से अपने आखिरी भाषण में डील का जिक्र करते हुए कहा कि- सीजफायर के लिए हमारे कूटनीतिक प्रयास कभी रुके नहीं। यह समझौता हमास पर बढ़ते दबाव, क्षेत्रीय समीकरणों में बदलाव और लेबनान में सीजफायर के बाद ही संभव हो सका। यह अमेरिका की कूटनीति नतीजा है। इजराइली राष्ट्रपति ने कैबिनेट से डील को मंजूरी देने को कहा इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कैबिनेट से सीजफायर डील को मंजूरी देने के लिए कहा है। हर्जोग ने कहा कि- हम 7 अक्टूबर के हमले को रोकने में अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाए। अब हमें इसे सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। हर्जोग ने डील के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू और बातचीत में शामिल लोगों को धन्यवाद भी दिया। साथ ही डील को मंजूरी देकर इजराइली नागरिकों वापस लाने की अपील की। हमास की शर्त ये है कि सीजफायर डील के पहले चरण में इजराइली सेना गाजा सीमा से 700 मीटर पीछे अपने इलाके में चली जाएगी। फिलहाल इस सीजफायर डील को इजराइली कैबिनेट में पेश होना बाकी है।

चीन की वैश्विक उन्नति पर भड़के ट्रंप के विदेश मंत्री, साइबर अपराधों और जासूसी के लिए ठहराया दोषी

वाशिंगटन, एजेंसी। बीजिंग पर कड़ी नजर रखने वाले अमेरिका के भावी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने चीन के वैश्विक महाशक्ति के दर्जे पर पहुंचने के लिए सबसे बढ़िया परिभाषा का इस्तेमाल किया है। बिना किसी संकोच के, मार्को रुबियो, जो अमेरिका की विदेश नीति के दृष्टिकोण को नई दिशा देंगे, ने चीन को झूठा, धोखेबाज और चोर कहा, जबकि साइबर अपराधों और जासूसी के लिए उसे दोषी ठहराया है। इस दौरान मार्को रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि 20 जनवरी से, सभी विदेश नीति निर्णय केवल एक प्रमुख मानदंड के आधार पर लिए जाएंगे - क्या निर्णय संयुक्त राज्य अमेरिका को सुरक्षित, मजबूत और अधिक समृद्ध बनाते हैं।

उन्होंने झूठ बोला, धोखा दिया- मार्को रुबियो : वहीं अमेरिका की तरफ से चीन के प्रति दिखाए गए सद्भावना के बारे में पश्चाताप भरे लहजे में बोलते हुए, मार्को रुबियो ने कहा, हमने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का इस वैश्विक व्यवस्था में स्वागत किया। और उन्होंने इसके सभी लाभों का लाभ उठाया। लेकिन उन्होंने इसके सभी दायित्वों

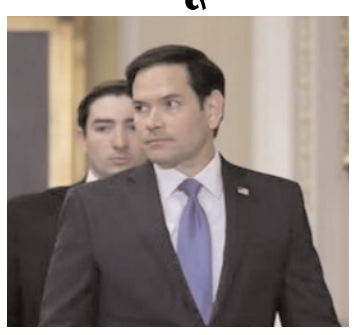

और जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर दिया,। उन्होंने आगे कहा कि इसके बजाय, उन्होंने झूठ बोला, धोखा दिया, जासूसी किया और हमारी कीमत पर वैश्विक महाशक्ति का दर्जा हासिल करने के लिए चोरी की। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अचानक विदेश नीति में बदलाव का संकेत देते हुए, अमेरिका के भावी विदेश मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था न केवल अप्रचलित है; यह अब हमारे खिलाफ इस्तेमाल किया जाने वाला एक हथियार है। उन्होंने जो बाइडन की विदेश नीति के रुख को खारिज कर दिया, जिसमें अमेरिका के नेतृत्व वाली उदार विश्व व्यवस्था है, जो नियम-आधारित प्रणाली को प्राथमिकता देती है। इसके बजाय उन्होंने ट्रंप के नेतृत्व में एक आक्रामक अमेरिकी रुख की वकालत की, जो इसके मूल उद्देश्य - अमेरिका फर्स्ट के इर्द-गिर्द घूमता है। आने वाला प्रशासन साहसिक कूटनीति पर काम करेगा- मार्को रुबियो चीन को केंद्र में रखते हुए, मार्को रुबियो ने दुनिया भर में तानाशाही के एक साथ आने के खतरों के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि बीजिंग के अलावा, मॉस्को, तेहरान और प्योंगयांग के तानाशाह दुनिया में अराजकता और अस्थिरता फैलाते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप का आने वाला प्रशासन यूक्रेन में युद्ध को प्राथमिकता के आधार पर खत्म करने के लिए निर्णायक फैसला लेगा और साहसिक कूटनीति पर काम करेगा। बता दें कि, क्यूबा के श्रमिक वर्ग के आप्रवासियों के पुत्र मार्को रुबियो, अमेरिकी विदेश मंत्री बनने वाले पहले हिस्पैनिक और पहले धाराप्रवाह स्पेनिश बोलने वाले व्यक्ति बनेंगे।

गलत नीतियों से बढ़ रहा माइक्रोप्लास्टिक कचरा, रीसाइकल करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स, एजेंसी। प्लास्टिक कचरे का उचित प्रबंध न होने और गलत नीतियों के कारण यह दिनोंदिन दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पिछले एक दशक के दौरान दुनियाभर में खासकर यूरोप में प्लास्टिक का उपयोग बहुत बढ़ गया है। 2021 में यूरोपीय संघ (ईयू) में हर एक व्यक्ति ने औसतन 36 किलो प्लास्टिक पैकेजिंग का कचरा पैदा किया। उस साल उत्पन्न 1.6 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक पैकेजिंग में से केवल 65 लाख टन ही रीसाइकिल हो पाया। यह जानकारी काउनास यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (केटीयू) के शोधकर्ताओं की अगुवाई में किए गए एक अध्ययन से सामने आई है। सस्टेनेबिलिटी नामक जर्नल में इसके निष्कर्ष प्रकाशित किए गए हैं। अध्ययन के अनुसार, दुनियाभर में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग गंभीर समस्या बनी हुई है। रीसाइक्लिंग की कमी से न केवल लैंडफिल, भस्मीकरण संयंत्रों और प्रकृति में छोड़े गए कचरे की मात्रा बढ़ रही है, बल्कि माइक्रोप्लास्टिक के निर्माण में भी बढ़ोतरी होती है जो लगातार पारिस्थितिकी तंत्र और मनुष्य की सेहत के लिए खतरनाक बनता जा रहा है। हालांकि, प्लास्टिक कचरे को कम करना दुनिया का पहला लक्ष्य बना हुआ है, लेकिन पहले से प्रचलन में मौजूद प्लास्टिक के प्रबंधन के लिए रीसाइक्लिंग जरूरी है। 2025 तक 50 फीसदी प्लास्टिक को रीसाइकल करने का लक्ष्य यूरोपीय संघ हासिल नहीं कर पाया। अब 2030 तक 55 फीसदी का लक्ष्य रखा गया है।

समस्या के समाधान के लिए व्यापक नजरिए की जरूरत : शोधकर्ताओं के अनुसार, स्थिति को सुधारने के लिए कचरे की प्रबंधन प्रक्रिया को केवल एक तरफ से हल नहीं किया जा सकता है। यह बहुआयामी समस्या है। इसलिए इसके प्रति व्यापक नजरिए की जरूरत है। आर्थिक, पर्यावरणीय और कानूनी पहलुओं पर विचार किए बिना केवल रीसाइक्लिंग तकनीकों को बेहतर बनाने या नए तरीके खोजने पर जोर देना ही सही नहीं है। यह नजरिया न केवल समस्या से निपटने में विफल होगा, बल्कि अन्य पहलुओं पर विचार करने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। यह समझने के लिए कि बाहरी कारण, प्लास्टिक पैकेजिंग रीसाइक्लिंग को कैसे प्रभावित करते हैं एक मैक्रो-पर्यावरणीय विश्लेषण किया गया। इसके तहत छह प्रमुख क्षेत्रों की जांच की गई।

पीएम पद छोड़ने के बाद राजनीति से भी संन्यास लेंगे जस्टिन ट्रूडो? नहीं लड़ेंगे अगला चुनाव

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घोषणा करते हुए कहा है कि वह अगले आम चुनावों में भाग नहीं लेंगे। कनाडा में आम चुनाव इस साल अक्टूबर में होने वाले हैं लेकिन यह तय समय से पहले भी हो सकते हैं। ओटावा में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रूडो ने कहा, मैं आगामी चुनाव में हिस्सा नहीं लूंगा। यह मेरा अपना फैसला है। यह बयान उस समय आया है जब ट्रूडो कनाडाई प्रांतों के प्रमुखों के साथ अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सामंजस्य स्थापित करने की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। 53 वर्षीय ट्रूडो ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर अनिश्चितता जाहिर की और कहा, भविष्य में मैं क्या करूंगा, इसके बारे में मैंने अभी तक ज्यादा नहीं सोचा है। फिलहाल, मैं उन कामों पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, जिनके लिए कनाडाई नागरिकों ने मुझे चुना है।

2015 में सत्ता में आए थे ट्रूडो : जस्टिन ट्रूडो पहली बार 2008 में क्यूबेक के पापिनो निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। इसके बाद, उन्होंने 2015 में जबरदस्त जीत के साथ प्रधानमंत्री पद संभाला, जिसमें उनकी लिबरल पार्टी ने 338 में से 184 सीटें जीती थीं। हालांकि, 2019 और 2021 के चुनावों में वह बहुमत हासिल नहीं कर सके।

नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया : 6 जनवरी को ट्रूडो ने घोषणा की थी कि लिबरल पार्टी का नया नेता चुने जाने के बाद वह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। पार्टी के नेतृत्व चुनाव की प्रक्रिया 9 मार्च को समाप्त

होगी और नए नेता के चयन के साथ ट्रूडो की जगह कोई और प्रधानमंत्री पद संभालेगा। नेतृत्व की दौड़ में शामिल होने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को 23 जनवरी तक आवेदन करना होगा। प्रमुख दावेदारों में पूर्व बैंक ऑफ कनाडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर मार्क कार्नी और पूर्व उपप्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के नाम शामिल हैं। कार्नी गुरुवार को एडमंटन में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर सकते हैं, जबकि फ्रीलैंड 20 जनवरी तक अपने इरादे स्पष्ट कर सकती हैं।

पार्टी के भीतर असंतोष : 2024 के अंत तक, ट्रूडो को पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष का सामना करना पड़ा। 16 दिसंबर को वित्त मंत्री के पद से क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे ने पार्टी में अस्थिरता को और बढ़ा दिया। इसके बाद लगभग 100 सांसदों ने ट्रूडो के जल्द इस्तीफे की मांग की। अंततः, ट्रूडो को पद छोड़ने की घोषणा करनी पड़ी।

नए नेताओं के नाम पर चर्चा : अब तक औपचारिक रूप से जिन नेताओं ने अपनी दावेदारी पेश की है, उनमें इंडो-कनाडाई सांसद चंद्र आर्या शामिल हैं। हालांकि, संभावित प्रमुख उम्मीदवारों जैसे विदेश मंत्री मेलानी जोली, डोमिनिक लेब्लांक, फ्रांस्वा-फिलिप शांपेन और रक्षा मंत्री अनिता आनंद ने नेतृत्व की दौड़ में शामिल होने से इनकार कर दिया है। लिबरल पार्टी हाल के महीनों में 20 प्रतिशत से भी कम समर्थन स्तर पर है। वह विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से करीब 25 प्रतिशत अंकों से पीछे चल रही है। ट्रूडो का यह फैसला कनाडा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ लाएगा, जहां लिबरल पार्टी को नए नेतृत्व के साथ नई दिशा में आगे बढ़ने की चुनौती होगी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहारी युवती और युवक के बीच प्रेम संबंध बने उनके बीच प्रेम के अंकुर से गर्भवती हो गई

किशोरी स्कूल जाने के बजाय,किशोर घर जाकर शारीरिक सुख का आनंद लेता था,

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में एक हफ्ते पहले 16 वर्षीय किशोरी द्वारा छोड़ा गया भ्रूण कचरे के ढेर से मिला था। अब इस मामले में पुलिस जांच के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। किशोरी इंस्टाग्राम के जरिए मजदूरी करने वाले एक किशोर के संपर्क में आई थी, और उसके साथ प्रेम संबंध में रहने के कारण वह गर्भवती हो गई थी। हालांकि, जब किशोरी गर्भवती हुई, तो वह किशोर मुंबई चला गया। इसी वजह से किशोरी ने गर्भपात की दवा लेकर भ्रूण को कचरे में फेंक दिया।

डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि पांडेसरा इलाके में अपेक्षानगर के पास पुलिस को 9 जनवरी, 2024 को एक भ्रूण मिला था। यह भ्रूण हाल ही में जन्मा हुआ लग रहा था। पुलिस ने तुरंत भ्रूण को अस्पताल में शिफ्ट किया। बाद में टीम ने मामले की गहराई से जांच शुरू की। पुलिस को अपने मुखबिरों से पता चला कि पास में एक किशोरी अपने परिवार के साथ रहती है। यह परिवार मूल रूप से बिहार का है। आसपास रहने वाली एक युवती ने उस किशोरी पर संदेह जताया, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई।

किशोरी का मेडिकल करवाने पर पता चला कि उसने बच्चे को जन्म दिया था आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने किशोरी और उसकी मां से पूछताछ की, तो दोनों ने इस मामले में कोई भी जानकारी होने से इनकार कर दिया। शक के आधार पर पुलिस ने महिला पुलिस और एक एनजीओ की एक महिला के साथ मिलकर किशोरी को सिविल अस्पताल ले जाया। वहां किशोरी का मेडिकल कराया गया, जहां डॉक्टर ने पुष्टि की कि हाल ही में किशोरी ने एक बच्चे को जन्म दिया है। पूछताछ में पता चला कि किशोरी की उम्र 16 साल है और वह स्कूल में पढ़ाई कर रही है। वह 3 जनवरी तक स्कूल भी गई थी।

दसवीं कक्षा की छात्रा ने खुद गोली खाकर गर्भपात किया, बाथरूम में चार महीने के भ्रूण को जन्म देकर कूड़े में फेंक दिया। इंस्टाग्राम के जरिए एक किशोर के संपर्क में आने के बाद वह गर्भवती हुई।

जब इस मामले में सख्ती से पूछताछ की गई, तो किशोरी ने बताया कि वह इंस्टाग्राम के जरिए 16 वर्षीय एक मजदूरी करने वाले किशोर के संपर्क में आई थी। वह पांडेसरा के बालाजी नगर इलाके में किराए के मकान में कुछ समय पहले रहने आया था। वह यहां अपने जीजा के साथ मजदूरी का काम करता था। इसी दौरान किशोरी और किशोर के बीच शारीरिक संबंध बने, जिससे किशोरी गर्भवती हो गई।

हालांकि, दोनों की उम्र कम होने के कारण गर्भावस्था की जानकारी मिलने के बाद वे यह तय नहीं कर सके कि क्या करना है। इसी असमंजस रहने वाला है और अपने जीजा के निधन के बाद वह यहां से मुंबई काम करने के लिए चला गया।

गर्भपात को लेकर जब किशोरी से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि किशोर, जो मुंबई चला गया था, वापस आया और उसने मुझे गर्भपात के लिए दवाइयां दीं। उसने मुझे 5 टैबलेट का एक पैकेट दिया, जिसमें से मैंने दो टैबलेट लीं। इसके कारण टॉयलेट में ही डिलीवरी हो गई। घरवालों और समाज में बदनामी के डर से मैंने उस भ्रूण को कचरे के डिब्बे में फेंक दिया।

पहले बयान में किशोर और दूसरे बयान में भाभी ने दी दवा बताया

किशोरी के इस बयान पर संदेह हुआ, जिसके बाद महिला डॉक्टर, एनजीओ, महिला कांस्टेबल और जुवेनाइल जिला अधिकारी को साथ लेकर पूछताछ की गई। इस दौरान किशोरी ने बताया कि उसके रिश्तेदारों में से एक भाभी हैं। उन्होंने उसे बताया था कि उसके पीरियड्स मिस हो गए हैं और वह प्रेग्नेंट है। भाभी ने उसे दवाइयां दीं और कहा कि यह दवा ले लो, इससे तुम्हारा गर्भपात हो जाएगा। जिस भाभी का जिक्र किशोरी ने किया, वह भी बिहार में रहती हैं।

किशोर, किशोरी और भ्रूण के डीएनए सैंपल एफएसएल जांच के लिए भेजे गए

किशोरी ने पुलिस के सामने दो बार अपने बयान बदले हैं। अब जब भाभी सामने आएंगी, तभी सच्चाई स्पष्ट होगी। क्योंकि फिलहाल किशोरी ट्रॉमा में है। हमने भ्रूण, किशोर और किशोरी तीनों के डीएनए सैंपल लिए हैं और उन्हें जांच के लिए एफएसएल भेजा गया है। फिलहाल आगे की जांच की प्रक्रिया जारी है। किशोर फिलहाल जुवेनाइल जिला अधिकारी के साथ है और उसे किशोर न्याय बोर्ड (JJB) के सामने पेश किया जाएगा।

सूरत में हिंगलाज माता महिला मंडल का हल्दी-कंकू कार्यक्रम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हिंगलाज माता महिला मंडल द्वारा हल्दी-कंकू कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं ने पारंपरिक रूप से एक-दूसरे को हल्दी और कंकू लगाकर उत्तरायण का उल्लासपूर्वक उत्सव मनाया। इस दौरान स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मार्गदर्शन भी दिया गया। महिलाओं को इस गंभीर बीमारी के बारे में जानकारी दी गई और उनकी समय पर जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सूरत के सोमवांशीय सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज की वाड़ी में हिंगलाज माता महिला मंडल द्वारा उत्तरायण पर्व के अवसर पर एक विशेष हल्दी-कंकू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 16 जनवरी 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिला मंडल की अध्यक्ष विद्याताई दानेज, उपप्रधान टिकलेटाई सहित लायंस क्लब की ज्योतिबेन पखाल और डॉक्टर मंगलाबेन रविंद्र पटेल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम को और भी अर्थपूर्ण बनाते हुए, लायन डॉ. मंगला पाटिल ने स्तन कैंसर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को स्व-परीक्षण की विधियाँ और कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों के बारे में मार्गदर्शन किया। आधुनिक व्यस्त जीवनशैली में महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने पारंपरिक रूप से एक-दूसरे को हल्दी-कंकू लगाकर सम्मानित किया और उत्तरायण के त्योहार की खुशियाँ मनाईं। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है।

श्री श्याम मंदिर पाटोत्सव दो फरवरी को रक्तदान शिविर, भजन संध्या सहित अनेकों आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का आठवाँ पाटोत्सव बसंत पंचमी के मौक़े पर दो फ़रवरी को मनाया जाएगा।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की आयोजन की शुरुआत विशाल रक्तदान शिविर से होगी। रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार, 26 जनवरी को किया जाएगा।

ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया की पाटोत्सव के मौके पर तीन दिवसीय आयोजन की शुरुआत शुक्रवार, 31 जनवरी से होगी। इस अवसर पर 31 जनवरी को श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ, शनिवार एक फरवरी को विशाल रथ एवं निशान यात्रा, सुन्दरकाण्ड पाठ, बसंत पंचमी के अवसर पर रविवार, दो फ़रवरी को पाटोत्सव पूजा एवं विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

ट्रस्ट में उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला एवं कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल ने बताया कि पाटोत्सव के अवसर पर मंदिर प्रांगण को सजाया जाएगा एवं बाबा श्याम, सालासर दरबार एवं शिव परिवार का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इस अवसर पर सभी भक्तों को बाबा का खजाना भी वितरित किया जाएगा।

अपहरणकर्ताओं ने सिर पर बंदूक रखकर फिरौती मांगी, पुलिस ने 16 घंटे में 6 को दबोच लिया।

'एक करोड़ दे दो,नहीं तो जान से मार देंगे'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले के गणदेवी तालुका में रहने वाले मुसाजी इस्माइल ताई ने जलालपुर तालुका के पनार गांव में अपनी ज़मीन बिक्री के लिए रखी थी। इसके लिए उन्होंने रिश्तेदारों और परिचितों से बात की थी। दो दिन पहले अज्ञात नंबर से फोन आया और ज़मीन दिखाने के लिए बुलाया गया। इसमें चार व्यक्तियों ने किसान को अपनी होंडा सिटी कार में बैठाकर उनका अपहरण किया और फोन करके उनके परिवार से पैसे की मांग की। अपहर्ताओं ने कहा कि आपकी सॉपारी मिल गई है, इसलिए एक करोड़ रुपये दे दो, नहीं तो जान से मार देंगे।

किसान ने अपनी पत्नी को फोन किया और सोने के गहनों, नकद, और मोबाइल समेत कुल 8,45,000 रुपये देकर अपनी जान बचाई।

किसान पनार गांव में खेती करते हैं। गंधेवी तालुका के कोठा गांव में रहने वाले 64 वर्षीय मुसाजी इस्माइल ताई 2022 में वलसाड के अतुल की एक रासायनिक कंपनी से सेवानिवृत्त हुए थे, वर्तमान में वे जलालपुर तालुका के पनार गांव में अपनी ज़मीन पर खेती करके गुजर बसर कर रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने इस ज़मीन को बेचने का इरादा किया था,

सूरत में मनीष कुकरी गैंग का आतंक

साधारण दुर्घटना में एक के बाद एक दो दोस्तों का अपहरण,नकदी और गहने भी लूटे

18 से अधिक अपराधों के कुख्यात आरोपी की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मनीष कुकरी गैंग के आतंक का मामला सामने आया है। एक साधारण सड़क दुर्घटना के बाद गैंग ने एक के बाद एक दो दोस्तों का अपहरण कर लिया। इसके अलावा, उनकी नकदी और गहने भी लूट लिए। पुलिस ने 18 से अधिक अपराधों में वांछित इस कुख्यात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सूरत के मोटा वराछा-गोपीन गांव रोड पर दो कारों के बीच हुई एक साधारण दुर्घटना में साड़ी जॉबवर्कर को पीटकर उसकी ही कार में अपहरण कर लिया गया। फिरौती के लिए 2 लाख रुपये मांगे गए और 69 हजार रुपये वसूले गए। इसके अलावा, जॉबवर्कर के गाड़ी लेन-देन के व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति का भी अपहरण कर मारपीट की गई।

इस घटना के दौरान पुलिस की बाइक को टक्कर मारकर भागने वाले कुख्यात किरीट मवाणी और रामकु वाला की मनीष कुकरी गैंग के खिलाफ उत्राण पुलिस में शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने कुख्यात मनीष कुकरी गैंग के सदस्य किरीट मवाणी को गिरफ्तार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि इस कुख्यात मनीष कुकरी गैंग के किरीट मवाणी के खिलाफ सूरत और अहमदाबाद सहित कुल 18 अपराध दर्ज हैं।

सूरत के पुणे के अक्षरधाम सोसाइटी में अनंता इम्पेक्स नाम से साड़ी जॉबवर्क करने वाले पियूष दिनेश मवाणी (उम्र 30, निवासी वास्तुपुजा हाइट्स, मोटा वराछा और मूल चोंढा, तालुका पालिताणा, भावनगर) तीन दिन पहले रात 9 बजे गोपीन गांव रोड पर अपनी हैरियर कार (GJ 05 RV 1409) से गुजर रहे थे। रास्ते में जब उनकी कार एक बिना नंबर वाली स्कोडा कार से टकराई, तो सामान्य स्क्रैच की वजह से स्कोडा से छह लोग बाहर आकर पियूष से गाली-गलौज करने लगे।

सीमाड़ा नाका के पास बुलाकर पहले 50 हजार रुपये वसूले

कार गलती से टकराई थी, ऐसा कहने के बावजूद स्कोडा के चालक ने पियूष से कहा, "तू मुझे पहचानता है, मैं कौन हूं, मेरा नाम किरीट मवाणी है," और फिर उसे दो-तीन तमाचे मारे और नुकसान का खर्च मांगा। पियूष ने अपने दोस्त को फोन किया और कहा कि उसे, च्वजिसे फोन करना है, उसे कह दे कि ये किरीट मवाणी और रामकु वाला के लोग हैं,ज्ञ इस कहकर पियूष का अपनी ही कार में अपहरण कर लिया

कैलाश लोहिया का सूरत आगमन पर किया भव्य स्वागत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,लोहिया ग्रुप ऑफ़ इंडस्ट्रीज, गुवाहाटी के वरिष्ठ उद्योगपति कैलाश लोहिया के सूरत आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर अग्रसेन पैलेस, सिटी लाइट के बोर्ड रूम पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अलावा शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लोहिया ने अपने संबोधन में व्यवसाय जगत से जुड़े महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि एक सफल व्यवसाय के लिए निरंतर प्रयास और डाइवर्सिफिकेशन बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने टाटा ग्रुप से मिली सीख को साझा करते हुए कहा कि कभी हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा नए अवसरों की तलाश में आगे बढ़ते रहना चाहिए। इस अवसर पर अग्रवाल विकास ट्रस्ट सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सरकारी पुराने आवास की दीवार ढहने से खाना खा रहे माता-पिता और पुत्र की दबकर मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चिखली के बामणवाडा गांव में घर की दीवार तोड़ते समय एक दुखद घटना घटी। बुधवार को चिखली तालुका के बामणवाडा नायकिवाडा में रहने वाली गुलबीबेन और उनके पुत्र परेशभाई पुराने घर की सिमेंट की दीवार तोड़ने का काम कर रहे थे। दीवार के थोड़े हिस्से को तोड़े जाने के बाद, सुबह 11ः30 बजे के आसपास वे अपने सरकारी पुराने आवास के बाहर बोरडी के पेड़ के पास खाना खाने के लिए बैठने की तैयारी कर रहे थे। तभी अचानक पुरानी घर की सिमेंट की दीवार ढह गई। दीवार गिरने से मां और बेटे उसके नीचे दब गए। परिणामस्वरूप मां गुलबीबेन प्रतापभाई पटेल (उम्र 75 वर्ष) और पुत्र परेश प्रतापभाई पटेल (उम्र 55 वर्ष) की गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही मौत हो गई।